सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 329 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 12 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ पुलिस में 341 विभिन्न पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग ने दी मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। पुलिस विभाग में रिक्त पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग द्वारा 341 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें सर्वाधिक 278 पद सब इंस्पेक्टर के हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप राज्य में विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस बल में भर्ती के प्रस्ताव को वित्त विभाग ने हरी झंडी दे दी है। स्वीकृत पदों में 19 सूबेदार, 278 उप निरीक्षक, 11 उप निरीक्षक (विशेष शाखा), 14 प्लाटून कमाण्डर, 4 उप निरीक्षक (अंगुल-चिन्ह), 1 उप निरीक्षक (प्रश्नाधीन दस्तावेज), 5 उप निरीक्षक (कम्प्यूटर), और 9 उप निरीक्षक (साइबर क्राइम) शामिल हैं। इन रिक्तियों से छत्तीसगढ़ पुलिस बल की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, जिससे कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। साथ ही, युवाओं को स्थिर और सम्मानजनक करियर के अवसर मिलेंगे। भर्ती की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

कम नहीं हो रहे प्याज के दाम, बढ़ेगी आम आदमी की परेशानी

रायपुर। केंद्र सरकार के तमाम कोशिशों के बावजूद प्याज के दाम काबू में नहीं आ रहे है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में प्याज के रेट कम होने का नाम नहीं ले रहे है। खुदरा बाजार में अभी प्याज के दाम 60 से 80 रुपये किलो के आसपास बने हुए हैं।

केंद्र सरकार ने एक सप्ताह पहले आम आदमी की परेशानी को देखते हुए प्याज को कम रेट पर बेचने का फैसला लिया था। इसमें दिल्ली-एनसीआर, मुंबई में 35 रुपए किलो के हिसाब से आम लोगों को प्याज उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया था। बावजूद इसके बाजार में प्याज के दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे है। राजधानी दिल्ली में बीते 10 दिनों में 5 से 7 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। जबकि छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में प्याज के दाम रुला रहे हैं।

अफसरों पर जमकर बरसे मुख्यमंत्री विष्णु देव, बोले- मैं करूंगा कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दौरान अफसरों पर भड़के। उन्होंने अफसरों को हिदायत देते हुए कहा कि भाषा में संयम रखे और संयम चुका तो कार्रवाई करें। सीएम ने कहा कि यदि आप से कार्रवाई नहीं हो रही है तो आगे मैं कार्रवाई करूंगा। कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने राजस्व प्रकरणों में ढिलाई पर भी अफ़सरों पर नाराजगी जताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की योजनाएं पूरी पारदर्शिता के साथ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचे सभी फलैगशिप योजनाओं में सैचुरेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि बीते 9 महीने में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप प्रदेश को संवारने की दिशा में प्रयास किया गया है, किन्तु विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कुछ जिलों में आम जनता और स्कूली छात्रों से दुर्व्यवहार की सामने आई हैं जो गंभीर है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी भाषा पर काबू रखें और ऐसा नहीं कर सके तो कड़ी कार्रवाई होगी मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से कहा कि स्थानीय स्तर की समस्याएं वहीं निपटे, छोटी छोटी समस्याओं को लेकर लोगों को राजधानी न आना पड़े जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई जन समस्याओं पर त्वरित और प्रभावी कदम उठाएं।

किडनी मरीजों की संख्या घटाने पर करें फोकस

कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने सुपेबेड़ा के किडनी रोगियों को लेकर चिंता जताई है। कलेक्टरों को निदेश देते हुए सीएम साय ने कहा कि किडनी के मरीजों की संख्या घटाने तेजी से कार्य करें। इसके लिए यदि जरूरत पड़े तो तो दिल्ली से विशेषज्ञ बुलाकर काम करें। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम का रोगियों को लाभ मिले इस ओर भी अधिकारी कार्य करें। सीएम साय ने इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली भी नाराजगी जताई। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र, खैरागढ़ में बेड ऑक्यूपेंसी और क्योर रेट जीरो होने पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि सभी जिले आयुष्मान पंजीयन आगामी 6 माह में शत प्रतिशत करें। पीएम जनऔषधि के जो केंद्र संचालित नहीं हैं उन्हें शुरू करें और यह सुनिश्चित करें कि मरीजों को जनऔषधि केंद्र स्पष्ट रूप से दिखें। सीएम साय ने इस दौरान कहा कि डायलिसिस की सुविधा हर ज़िले में उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में सीएम साय ने दिखाए अपने कड़े तेवर

पंचायत विभाग की योजनाओं की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने पंचायत विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। मनरेगा में मानव दिवस की सृजन कम होने पर बस्तर, कबीरधाम और बिलासपुर कलेक्टरों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत सरोवर योजना को जन अभियान का स्वरूप दें। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हमें भारत सरकार से अधिक मात्रा में आवास प्राप्त हुये हैं। जिले विशेष ध्यान देकर पूर्णता सुनिश्चित कराएं। प्रधानमंत्री आवास योजना हमारी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। 15 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली किश्त जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर प्रधानमंत्री आवास योजना पर विशेष ध्यान दें।

राजस्व विभाग की समीक्षा

मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कड़े तेवर दिखाए। सारंगढ़, बस्तर, खैरागढ़ में राजस्व मामलों की धीमी गति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जतायी। उन्होंने कलेक्टरों को राजस्व मामलों को तेज गति से निपटाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व सम्बंधित सभी कार्य समय-सीमा पर पूरे हों अविवादित और विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, त्रुटि सुधार, डायवर्सन, असर्वेक्षित ग्रामों की जानकारी, नक्शा बटांकन की जानकारी ली।अविवादित नामांतरण के केस को समय सीमा पर पूरा करें, 70 प्रतिशत से कम निराकरण वाले जिले ज्यादा फोकस करें। विवादित विभाजन के प्रकरण 6 माह से ज्यादा लंबित न हो सीमांकन जनता से जुड़ा विषय है जो आदेश है उसका सीमांकन हो जाये। नागरिक छोटे छोटे त्रुटि के लिए भटकते रहते हैं। जल्द से जल्द निराकरण हो इसका ख्याल रखें डायवर्शन में जिलों का प्रदर्शन अच्छा है, समय सीमा में निराकरण करने से सरकार की छवि बनती है। आपके अधीनस्थ समय और कोर्ट पहुँचे इसका ध्यान रखें कमिश्नर भी मोनिटरिंग करते रहें।

गुणवत्ता पर समझौता नहीं, दोषियों को होगी जेल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्कूलों के जर्जर भवन व उनके निर्माण संबंधी कार्यों को लेकर सख्त तेवर दिखाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा। सम्बंधित ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करें गुणवत्ताहीन निर्माण की जांचकर सम्बंधित पर एफआईआर करें। गुणवत्ता से समझौता करने वालों की जेल में जगह होगी। गुणवत्ताविहीन कार्य होने पर रिकवरी भी की जाएगी। सीएम साय ने कलेक्टरों को अपने ज़िले में भ्रमण कर स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने कहा। पीएम श्री योजना में खैरागढ़ और सारंगढ़ में निर्माण कार्य प्रारंभ न होने पर सीएम साय असंतोष जताया। साथ ही कहा कि स्कूल-हॉस्टल की व्यवस्था ठीक करें।

टीबी उन्मूलन के तहत किये जा रहे कार्यों की ली जानकारी

मुख्यमंत्री साय ने टीबी उन्मूलन के तहत किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में रायपुर और बिलासपुर जिलों के अच्छे प्रदर्शन पर दोनों जिलों की सराहना की। सीएम ने कहा कि अन्य जिले भी टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कुछ जिलों में साइकिल वितरण में देरी पर नाराजगी जतायी। सीएम ने अफ़सरों से सवाल किया कि सुकमा और बलरामपुर में अब तक साइकिल वितरण क्यों नहीं हुआ? मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी सत्र शुरू होते ही साइकिल वितरण होना चाहिए।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का बड़ा कदम : सरकारी मेडिकल कॉलेज सीनियर रेसीडेंट से लेकर प्राध्यापकों तक के वेतन बढ़े

अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 फीसदी तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 23 फीसदी की वेतन वृद्धि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने वाले प्राध्यापकों के लिए गुरुवार को दिन खुशियों का रहा। सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों के सीनियर रेसीडेंट से लेकर प्राध्यापकों तक सभी के वेतन में बढ़ोत्तरी की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा निर्णय लिया है। इस निर्णय के अंतर्गत शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी), सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापक के वेतन में ऐतिहासिक वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 1 सितंबर 2024 से पूरे राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों के लिए प्रभावी होगा।

छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग के द्वारा जारी आदेश के अनुसार गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रुपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 35 हजार से 1 लाख 55 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दिया गया है।

1.90 लाख से बढ़कर 2. 25 लाख रुपए हुआ

जारी आदेश के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 90 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रुपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से 1 लाख 85 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख 25 हजार तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 95 हजार रूपए कर दिया गया है। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के संविदा चिकित्सकों के लिए जारी पुनरीक्षित संविदा वेतनमान के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 फीसदी तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 23 फीसदी की वेतन वृद्धि की गयी है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कोई समझौता नहीं

इस ऐतिहासिक वेतन वृद्धि को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी डाक्टरों का ये अधिकार है कि उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाला शिक्षक और शिक्षा मिले और वेतन वृद्धि का ये आदेश राज्य शासन की स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने की मंशा को स्पष्ट जाहिर करता है।

हीराकुंड बांध के कारण छत्तीसगढ़ के गांवों को नहीं झेलनी पड़ेगी बाढ़ की विपदा

ओडिसा के मुख्यमंत्री ने की बाढ़ रोकने की पहल, सीएस साय ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विगत कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से हीराकुंड बांध के डुबान क्षेत्रों के अंतर्गत रायगढ़ के गांवों में बाढ़ की आशंका के मद्देनजर त्वरित गति से पहल करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी से गत रात्रि चर्चा कर हीराकुंड बांध से पानी छोड़ने का अनुरोध किया जिससे बाढ़ की संभावित आपदा से बचाव हो सके।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर ओडिसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दोनों प्रदेशों के हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल हीराकुंड बांध से आवश्यक मात्रा में पानी छोड़ने का आदेश दिया जिससे दो दर्जन से ज्यादा गांवों में होने वाली जन-धन की संभावित हानि से ग्रामवासियों का बचाव हो सके । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी की इस संवेदनशील पहल के लिए उन्हें हृदय से आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व प्रतिवर्ष भारी बारिश की वजह से हीराकुड बांध के डुबान क्षेत्र में आने के कारण छत्तीसगढ़ के लगभग दो दर्जन से ज्यादा गांवों को बाढ़ की विपदा झेलनी पड़ती थी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनो राज्यों में जनकल्याण को प्राथमिकता देने वाली जनहितैषी सरकारों के रहने से पहली बार दोनो राज्यों के मध्य अपूर्व सामंजस्य के साथ त्वरित निर्णय लेकर लोकहित में कार्य किए जा रहे हैं। दोनो राज्यों की सरकारों के मध्य ऐसा सामंजस्य पहली बार देखा जा रहा है जिसका यह सुपरिणाम है की अब दोनो राज्यों में प्रत्येक वर्ष भीषण रूप से बाढ़ग्रस्त रहने वाले क्षेत्र वर्तमान में बाढ़ की विपदा से ग्रस्त नही है।

अब गौ विज्ञान परीक्षा की कवायद

श्रीकंचनपथ

गाय भारतीय संस्कृति एवं जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा रही है। गाय को माता की संज्ञा दी गई है। गाय के दूध और उससे बने घी का भी विशेष महत्व है। स्कूली स्तर पर बच्चे रचना लिखने की शुरुआत भी आम तौर पर गाय की रचना से ही करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ गाय के साथ यह कनेक्शन भी जाता रहता है। हालांकि दूध और दुग्धोत्पाद से रिश्ता अटूट ही रहता है। दूध, घी, दही, छाछ, मक्खन, पनीर के रूप में दूध की खपत साल दर साल बढ़ती ही जाती है। भारत दूध उत्पादन में पहले स्थान पर है और वैश्विक दूध उत्पादन में उसका हिस्सा लगभग एक चौथाई का है। 2014-15 के 146.31 मिलियन टन से बढ़कर दूध उत्पादन 2022-23 में 230.58 मिलियन टन हो गया। पर यह सिक्के का सिर्फ एक पहलू है। भारत में पशुधन की आबादी के हिसाब से देखें तो यहां श्वेत क्रांति की अभी केवल शुरुआत ही हो पाई है। आंकड़ों के अनुसार भारत में 192.5 मिलियन गाय, 109.9 मिलियन भैंस, 74.13 मिलियन भेड़ तथा 148.9 मिलियन बकरियां हैं। सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन भैंस से लगभग 55 प्रतिशत, गाय से 42 प्रतिशत तथा बकरी से 3 प्रतिशत तक होता है। गौ-दुग्ध की एक हकीकत यह भी है कि भारतीय गाय का एक ब्यांत (एक बार बियाने पर) का औसत दुग्ध उत्पादन 1100 लीटर है जबकि पाकिस्तान का 2200 लीटर, यूएसए का 9000 लीटर और इजराइल का 11000 लीटर है। जाहिर है कि नस्ल सुधार की दिशा में अभी काफी काम किया जाना शेष है। ये आंकड़े भी निराश करने वाले हैं कि पिछले कुछ वर्षों में डेयरी फार्मिंग के प्रति किसानों की रुचि कम हुई है। छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार ने गौ पालन और गौ उपयोगिता को रेखांकित करते हुए कई योजनाएं चलाईं। पर निचले स्तर पर भ्रष्टाचार और लीपापोती के कारण यह योजना ठीक से परवान नहीं चढ़ पाई। न केवल गोबर खाद की क्वालिटी को लेकर शिकायतें आती रहीं बल्कि गोबर पेंट और गोबर युक्त मिट्टी से बनने वाले अन्य उत्पादों को लेकर भी उदासीनता बनी रही। मौजूदा सरकार ने भी योजना को अब तक हाशिए पर ही रखा है। राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा गाय के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए की जा रही पहल की सराहना की जानी चाहिए। समिति द्वारा एक पुस्तिका का प्रकाशन किया गया है जिसमें गाय से जुड़ी रोचक जानकारियां दी गई हैं। इसकी परीक्षा भी ली जाएगी और विजेताओं को 12 जनवरी 2025 को पुरस्कृत किया जाएगा। जिला एवं राज्य स्तर पर लिए 51 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 7 सितम्बर से पंजीयन प्रारंभ हुआ है जो 15 अक्टूबर तक चलेगा। उम्मीद है कि इससे शहरी बच्चों का गाय पर ज्ञान चार पैर, दो सींग, एक पूंछ और रंग जैसी सतही जानकारी से आगे बढ़ेगा।

संपादकीय

शिमला में रोष

शिमला देश के सुंदर-शांत-शालीन शहरों में शुमार है, पर आजकल वहां की हवा में जो तनाव व्याप्त है, वह न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। शिमला में बुधवार को तनाव फैल गया, जब एक कथित अवैध मस्जिद के खिलाफप्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोग पुलिस से ही भिड़ गए। महिलाओं को भी बड़ी संख्या में धर्मस्थल विशेष के खिलाफ नारे लगाते देखा गया, यह सही संकेत नहीं है। प्रदर्शन चिंता की बात नहीं है, लेकिन पुलिस से भिड़ जाना गंभीर बात है। क्या ऐसे प्रदर्शन से बचा जा सकता था? क्या पुलिस या प्रशासन पहले से सजग नहीं था? क्या प्रदर्शन की तीव्रता का अंदाजा नहीं लगाया गया था? शिमला में जो हुआ है, उसने पुलिस को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया हो, तो आश्चर्य नहीं। कोशिश होनी चाहिए कि ऐसे प्रदर्शन की नौबत ही न आने पाए। पुलिस को पानी की बौछार और हल्के बल प्रयोग का सहारा लेना पड़ा है, पर ऐसी जरूरत आगे नहीं पड़नी चाहिए।

> “ सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर किसी मस्जिद में अवैध निर्माण हो रहा था, तो क्या इसे रोकने की जिम्मेदारी भीड़ की है? आखिर किसी धार्मिक समूह को ऐसी जरूरत क्यों महसूस हुई? बहुसंख्यक वर्ग के समूहों ने जब विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, तभी प्रशासन को सचेत हो जाना चाहिए था। भीड़ को न केवल जुटने दिया गया, बल्कि उसे आगे बढ़कर प्रदर्शन भी करने दिया गया। प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह सांप्रदायिक तनाव को बढ़ने से रोकने के हरसंभव उपाय करे।

प्रशासन कतई यह एहसास न होने दे कि उसकी सहानुभूति किसी वर्ग विशेष के साथ है। अगर प्रशासन पक्षपात करता न दिखे, तो ऐसे प्रदर्शन का कोई औचित्य ही नहीं रह जाएगा। कहीं न कहीं प्रशासन की उदासीनता ने प्रदर्शनकारियों को मौका दिया है। अगर अवैध निर्माण है, तो उसके खिलाफ स्थानीय प्रशासन को स्वयं ही कार्रवाई करनी चाहिए और अगर निर्माण अवैध नहीं है, तो विरोधी पक्ष को आश्वस्त करना प्रशासन का ही काम है। शिमला जैसे पर्यटन के बड़े केंद्र में किसी भी प्रकार का सांप्रदायिकता प्रदर्शन बहुत अफसोस की बात है। सभी शिमला वासियों को यह सोचना चाहिए कि ऐसे प्रदर्शन से इस शहर के प्रति आकर्षण में कमी आएगी। शिमला में भी अगर सांप्रदायिकता की जमीन तैयार होती है, तो यह खतरे की घंटी है। अपने देश में ज्यादातर पर्यटन केंद्र आबादी का बोझ झेलने के साथ ही अपने मूल प्रारूप को भी बदलते चले जा रहे हैं। नए-नए धर्मस्थलों के विकास-विस्तार की तेज होती परिपाटी चिंता बढ़ाती है।

सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह मसला कहीं सियासी रूप न ले ले। देश में मणिपुर हो या पश्चिम बंगाल, जहां भी सियासत हुई है, वहां समस्याओं के अंबार लगते चले गए हैं। यह अफसोस की बात है कि शिमला में सियासत ने काम करना शुरू कर दिया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। एक-दूसरे को दोषी ठहराने के बजाय कोशिश यह होनी चाहिए कि विवाद को शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए। विपक्ष को जहां संयम बरतना चाहिए, वहीं सत्ता पक्ष को आगे बढ़कर सभी को आश्वस्त करना चाहिए कि कानून-व्यवस्था हर हाल में बहाल रहेगी। बाहर से आने वाले अपनी रोटियां न सेंक पाएं, इसके लिए स्थानीय नेताओं को भी सजग रहना चाहिए। अमन-चैन सामूहिक जिम्मेदारी है और उससे खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को रियायत देने से बचना चाहिए।

एआई को लेकर ठोस योजना की जरूरत

सतीश सिंह

भारत टेक्नोलॉजी स्टार्ट अप की पांचवीं पीढ़ी को विकसित करने के लिए भारी खर्च कर चुका है और अब यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफथिंग्स, ब्लॉक चेन, रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, बिग डाटा इंटेलिजेंस, रियल टाइम डाटा, क्वांटम कम्युनिकेशन आदि क्षेत्रों में शोध, प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसे प्रयासों से 2024 में भारत एआई अनुसंधान में दुनिया में तीसरे स्थान पर काबिज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सिंगापुर यात्रा के दौरान अन्य मुद्दों के साथ-साथ एआइ के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। पचास के दशक में एआई के आगाज में कई अनुसंधानकर्ताओं का योगदान रहा है, लेकिन मुख्य भूमिका एलन ट्यूरिंग और जॉन मैकार्थी ने निभायी। इस संकल्पना के तहत कृत्रिम बुद्धि को कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम के रूप में विकसित किया गया है, जो उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर इंसान की तरह सोचने, समझने और समस्याओं का समाधान करने और निर्णय लेने में समर्थ है। पर मशीन भविष्य के बारे में निर्णय नहीं ले सकता है और कल्पना भी नहीं कर सकता है या प्रोग्रामिंग से अलग हटकर कोई परिणाम नहीं दे सकता है।

इस आविष्कार को सत्तर के दशक में पहचान मिली और अस्सी के दशक में फिफ्थ जनरेशन और सुपर-कंप्यूटर की दिशा में काम किया गया। आज कई देश इसमें प्रवीणता हासिल करने और मानव संसाधन को इस विधा में कुशल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ब्रिटेन में 'एल्वी' और यूरोपीय संघ में 'एस्प्रिट' नाम से इस दिशा में काम किया गया है। एशियाई देशों में चीन, सिंगापुर, जापान और भारत एआइ में प्रवीण व कुशल बनने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सिंगापुर जैसे छोटे से देश में नेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रेटजी के तहत 2024 में एआइ पर 500 मिलियन सिंगापुर डॉलर निवेश किया गया है। आज एआई के तहत चैटजीपीटी का इस्तेमाल सबसे अधिक किया जा रहा है, लेकिन अब सोरा ओपनएआइ द्वारा वीडियो जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल विकसित किया गया है, जो टेक्स्ट-टू-वीडियो जेनरेशन में माहिर है। यह यूजर के निर्देशानुसार लघु वीडियो क्लिप बना सकता है और उसका विस्तार भी कर सकता है। जिस दिन इसका बाजार में पदार्पण होगा, कई क्षेत्रों में आमूलचूल परिवर्तन आ जायेगा, जिनमें सबसे ज्यादा प्रभावित होगा फिल्म उद्योग। सोरा ओपनएआइ के कारण आने वाले दिनों में नकली और असली वीडियो में फर्क करना मुश्किल हो जायेगा। ऐसे में अपराध के ढंग भी बदल जायेंगे।

विश्व आर्थिक मंच के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 18 से 65 आयु वर्ग के 59 प्रतिशत पुरुष कर्मचारी सप्ताह में कम से कम एक बार एआई टूल का इस्तेमाल करते हैं, जबकि महिलाओं में यह भागीदारी 51 प्रतिशत है। वहीं, 18 से 25 साल के 71 प्रतिशत पुरुष एआई का इस्तेमाल करते हैं, जबकि इसी आयु वर्ग में लड़कियों का प्रतिशत 59 है। आज हर जगह एआई आ चुका है। सेल्फ-ड्राइविंग कारें, रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर, एलेक्सा जैसे स्मार्ट असिस्टेंट आदि इसके लोकप्रिय उदाहरण हैं। एआई का सबसे अधिक प्रभाव प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, वेब डेवलपमेंट, कंटेंट राइटिंग, संपादन, अनुवाद, ग्राफिक डिजाइन, अकाउंटिंग, बैंकिंग, पोस्टल डिपार्टमेंट, डाटा इंट्री आदि के कार्यों में देखने को मिल रहा है। एआई धीरे-धीरे कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली को भी बदल रहा है। एक अनुमान के अनुसार कंटेंट राइटिंग और संपादन के क्षेत्र में 81.6 प्रतिशत नौकरियां एआइ से प्रभावित होंगी. साल 2027 तक 75 लाख से अधिक डाटा इंट्री की नौकरियां समाप्त हो सकती हैं। वहीं, विकसित देशों में भी 60 प्रतिशत नौकरियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे 55 प्रतिशत श्रमिकों की नौकरियां भी खत्म हो सकती हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

देश में दूसरी श्वेत क्रांति के आगाज का आया समय

भारत में श्वेत क्रांति के नेता वर्गीज कुरियन को बहुत याद किया जाता है। उन्होंने 1960-70 के दशक में देश में श्वेत क्रांति को मुकाम पर पहुंचाया था और भारत में दूध की कमी को दूर करने में मदद की थी।

विद्या महांबारे,
प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, जीएलआईएम

दूध और दूध से बने उत्पाद पौष्टिक आहार के लिए बहुत जरूरी हैं, खासकर बच्चों के लिए। निम्न-गुणवत्ता वाले आहार के बच्चों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर होते हैं और ये प्रतिकूल प्रभाव उनके वयस्क होने तक रह सकते हैं। परिवार का आकार भोजन पर खर्च को प्रभावित करता है, विशेष रूप से प्रोटीन युक्त भोजन, जैसे दूध, जो अपेक्षाकृत महंगा है। इसके चलते बड़े परिवारों में पौष्टिक खाद्य पदार्थों पर प्रति व्यक्ति खर्च घट जाता है। वैसे, भारत में खाद्य पदार्थों पर प्रति व्यक्ति खर्च के मामले में परिवार का आकार कितना मायने रखता है, इस पर बहुत कम शोध हुआ है। यहां हम ग्रामीण व शहरी भारत में दो प्रकार के परिवारों के लिए दूध और दूध के उत्पादों पर होने वाले खर्च पर विचार करते हैं- एक बच्चे वाले तीन सदस्यीय परिवार और दो बच्चों वाले चार सदस्यीय परिवार। ध्यान रहे, हमारे अनुमान भारत के राष्ट्रीय घरेलू उपभोग सर्वेक्षण 2022-23 के आंकड़ों पर आधारित हैं। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में एक बच्चे वाले तीन सदस्यीय 18,179 परिवार व दो बच्चे वाले चार सदस्यीय 28,650 परिवार हैं।

हमने पाया कि एक बच्चे वाले परिवार ने 2022-23 में दूध पर प्रति व्यक्ति प्रतिमाह औसतन 443 रुपये खर्च किए, जबकि दो बच्चों वाले परिवार ने 376 रुपये खर्च किए। दूध पर औसत खर्च आम तौर पर उच्च आय वाले परिवारों में ज्यादा होता है, पर एक औसत आय वाले भारतीय परिवार में प्रति व्यक्ति दूध खर्च कम होता है। एक बच्चे वाला सामान्य परिवार दूध पर लगभग 329 रुपये और दो बच्चों वाला परिवार करीब 300 रुपये खर्च करता है। ज्यादातर परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य खाद्य पदार्थों को ज्यादा महत्व देते हैं, ऐसे में, दूध के बजट में कटौती हो जाती है। यहां चिंता इसलिए भी ज्यादा है कि गरीब परिवारों को पर्याप्त दूध नहीं मिल रहा है। गरीब परिवारों में बच्चों के बीच पोषण की कमी उनके स्वास्थ्य व शिक्षा नतीजों को प्रभावित कर रही है। ऐसे बच्चे, जब बड़े होते हैं, तब उनकी उत्पादकता तुलनात्मक रूप से कम होती है, जिससे देश में सामाजिक असमानता भी बढ़ती है। उत्तर भारत के अपेक्षाकृत गरीब राज्यों में ऐसी बड़ी आबादी है, जो दूध से वंचित है।

अगर हम एक औसत भारतीय घर की बात करें, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 के आंकड़ों के अनुसार, 6 महीने से 2 साल की उम्र के बीच के 58 प्रतिशत बच्चों के माता-पिता ने बताया है कि उनके यहां दूध की खपत नहीं है, मतलब उन्हें दूध नहीं मिल रहा है। यहां ध्यान रहे कि बच्चों में अब लैक्टोज असहिष्णुता के मामले भी बहुत हैं। फिर भी यह बात स्पष्ट है कि गरीब परिवारों के बच्चों तक दूध नहीं पहुंच पा रहा है। वैसे तो, कोई भी सरकारी नीति परिवार के आकार के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती, पर पोषण संबंधी कमियों को दूर करने और बच्चों की सेहत में सुधार के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दूध की खपत बढ़ाने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड का गिफ्ट मिल्क कार्यक्रम, विटामिन ए और डी से भरपूर 200 मिलीलीटर सुगंधित दूध प्रदान करता है। तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने अपने स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में दूध को शामिल कर लिया है। यदि हम दूध की कीमतों में वृद्धि को रोक सकें, तो इससे परिवारों को बहुत मदद मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में देश में दूध उत्पादन लगभग छह प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है और लगातार महंगा होता जा रहा है, जिससे पता चलता है कि मांग आपूर्ति से अधिक है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं ने कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की है। दूध की कीमत में ताजा वृद्धि जून महीने में हुई थी। बढ़ती उत्पादन लागत का हवाला दिया गया था। पशु चारा, परिवहन और श्रम इत्यादि की लागत में वृद्धि हुई है। वास्तव में, दूध की कीमतों का बढ़ना गरीब परिवारों के लिए अच्छा संकेत नहीं है। भारत में द्वितीय श्वेत क्रांति का समय आ गया है।

(साथ में विजय जाधव)
(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विकिरण प्रौद्योगिकी से भारत की खाद्य सुरक्षा में बदलाव

चिराग पासवान,
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री

भोजन का महत्व बुनियादी जीविका से कहीं बढ़कर है। यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक गतिशीलता को प्रतिबिम्बित करते हुए हमारे त्योहारों, सामाजिक समारोहों और अनुष्ठानों में प्रमुख भूमिका निभाता है। आर्थिक रूप से, खाद्य उद्योग विकास को गति देता है, रोजगार के अवसरों का सृजन करता है तथा ग्रामीण एवं कृषि संबंधी विकास को बढ़ावा देता है। यह घरेलू खपत और निर्यात दोनों के माध्यम से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अपनी स्वतंत्रता के 78वें वर्ष में भारत जैसे-जैसे विकसित भारत के विजन की ओर बढ़ रहा है, खाद्य सुरक्षा और संरक्षा को आगे बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाले भोजन का संदूषित पदार्थों से सुरक्षित होना तथा भोजन की हानि एवं बर्बादी को कम से कम किया जाना सुनिश्चित करना शामिल है, ताकि सभी को पर्याप्त, पौष्टिक भोजन की उपलब्धता की गारंटी मिल सके। खाद्य सुरक्षा और निरंतरता बढ़ाने के लिए खाद्य पदार्थों, खासकर फलों और सब्जियों जैसे जल्दी खराब होने वाले पदार्थों की हानि और बर्बादी को कम करना बहुत जरूरी है। इससे हमारे किसानों के लिए लाभकारी दाम सुनिश्चित करने में भी मदद मिलती है।

इसके अतिरिक्त, जैसे-जैसे कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों काव्यापार बढ़ता है, प्रभावी खाद्य सुरक्षा प्रबंधन और भी महत्?वपूर्ण होता जाता है। कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आयात होने वाले खाद्य पदार्थों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुत कड़े खाद्य सुरक्षा नियम और कार्यप्रणालियां हैं। खाद्य सुरक्षा संबंधी घटनाओं के सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम, उपभोक्ता विश्वास में कमी और खाद्य आपूर्ति और मूल्य स्थिरता में व्यवधान जैसे गंभीर आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए, न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, बल्कि आर्थिक विकास में सहयोग करने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा बाजार तक पहुंच बनाए रखने के लिए भी खाद्य सुरक्षा की रक्षा करना आवश्यक है।

खाद्य सुरक्षा एवं संरक्षा की समस्याओं से निपटने और अपने सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में एमएसएमई क्षेत्र में 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए धनराशि आवंटित की गई है। यह खाद्य सुरक्षा और संरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है क्योंकि खाद्य विकिरण प्रौद्योगिकी कृषि खाद्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ और सुरक्षा में इजाफा करती है, जिससे उनका उपभोक्ताओं तक उपयुक्त स्थिति में पहुंचना तथा उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य हानि का कम होना सुनिश्चित होता है।

खाद्य विकिरण में खाद्य पदार्थों को, चाहे वे पैक किए गए हों या बल्क में, सावधानीपूर्वक नियंत्रित वातावरण में आयनकारी विकिरण के संपर्क में लाना शामिल है। यह पद्धति हानिकारक सूक्ष्मजीवों को नष्ट करके खाद्य जनित बीमारियों के जोखिम को प्रभावी ढंग से कम करती है। यह समय से पहले पकने, फटाव या अकुरण में देरी करके खाद्य हानि को कम करते हुए क्षय की प्रक्रिया को धीमा करके और उसमें खराबी उत्पन्न करने वाले जीवों को नष्ट करके खाद्य पदार्थों को खराब होने से भी बचाती है। यह खाद्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में रासायनिक परिरक्षकों की आवश्यकता को भी कम करती है, जिससे अधिक टिकाऊ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में योगदान मिलता है। विकिरण प्रसंस्करण में आमतौर पर अपेक्षित प्रभाव प्राप्त करने के लिए केवल एक एक्सपोज़र ट्रीटमेंट की आवश्यकता होती है, जो प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, खाद्य सुरक्षा पद्धतियों को सरल बनाता है, और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में लागत में कमी लाने में योगदान देता है।

हालांकि खाद्य संरक्षण के लिए विकिरण के उपयोग की अवधारणा कोई नई नहीं है- सदियों से संरक्षण के लिए फल, सब्जियां, वनस्पति, मांस, मछली आदि को धूप में सुखाने जैसे पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया जाता रहा है- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम के अंतर्गत कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग द्वारा वैश्विक मानक स्थापित किए जाने पर खाद्य विकिरण प्रौद्योगिकी के प्रति आधुनिक दिलचस्पी बढ़ी। खाना पकाने की तरह ही खाद्य विकिरण भी सभी पहलुओं में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। इसे खासकर अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे उन्नत खाद्य सुरक्षा मानकों वाले देशों में व्यापक रूप से अपनाया गया है, जहां इसका घरेलू और निर्यात दोनों ही तरह के बाजारों में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इसके प्रभाव का उल्लेखनीय उदाहरण 2012 का समझौता है, जिसने 20 साल के प्रतिबंध के बाद भारतीय आमों को अमेरिका को निर्यात करने की अनुमति दी। यह सफलता भारत द्वारा कीटों के खतरे को खत्म या काफी हद तक कम करने के लिए निर्यात से पहले अपने आमों को विकिरणित करने पर सहमत होने, फलस्वरूप अमेरिका की घरेलू कृषि की रक्षा होने से हासिल हुई।

भारत ने भी समूचे देश में 34 विकिरण प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करते हुए उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इनमें से 16 सुविधाओं को एमओएफपीआई की सहायता प्राप्त होने सहित इस बुनियादी ढांचे को विकसित करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि यह प्रगति सराहनीय है, लेकिन सुविधाओं की संख्या और वितरण का विस्तार करने से हमारे जीवंत कृषि खाद्य बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने की हमारी क्षमता में और वृद्धि होगी। हालांकि, खाद्य विकिरण सुविधाओं की व्यापक कमीशनिंग उच्च पूंजीगत लागतों से अवरुद्ध है। 1एमसीआई कोबाल्ट 60 सोर्स युक्त एक विकिरण सुविधा स्थापित करने के लिए भूमि और अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की लागतों के बिना लगभग 25 से 30 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। इसकी कमीशनिंग प्रक्रिया में प्रस्ताव की जांच, अनुमोदन, साइट क्लीयरेंस, संयंत्र का निर्माण, स्रोत स्थापना, सुरक्षा आकलन और मार्गदर्शन, पर्यवेक्षण, कमीशनिंग और विकिरण स्रोतों के सामयिक प्रतिस्थापन सहित निरंतर रखरखाव जैसे कई महत्वपूर्ण चरण शामिल हैं। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड जैसे प्रमुख संगठन इस प्रक्रिया का निरीक्षण करते हैं।

इन सुविधाओं से संबंधित शुरुआती उच्च पूंजीगत लागतों के बावजूद, यहां निवेशकों के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के बाजारों में सुरक्षित, लंबे समय तक चलने वाले खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग निवेश के लाभप्रद अवसर प्रस्तुत करती है। खाद्य सुरक्षा संवर्धित करने और शेल्फ लाइफ बढ़ाने की क्षमता खाद्य विकिरण सुविधाओं को खाद्य अपशिष्ट में कमी लाने और कड़े निर्यात मानकों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण बनाती है। वर्ष 2025-26 तक भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 535 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात की लगातार बढ़ती हिस्सेदारी के साथ, विकिरण सुविधाएं निवेश के आशाजनक अवसर प्रस्?तुत करती हैं।

खाद्य की बर्बादी में कमी लाने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। अनुदान या सब्सिडी के रूप में प्रदान की जाने वाली यह सहायता फलों और सब्जियों सहित जल्दी खराब होने वाले उत्पादों को बचाने और उनकी स्वच्छता एवं शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए प्रदान की जाती है। केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषणा के बाद, एमओएफपीआई ने एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन अवसंरचना (कोल्ड चेन योजना) के तहत बहुउत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की हैं। खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और जल्दी खराब होने वाले उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में खाद्य विकिरण की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारतीय खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और कृषि खाद्य निर्यात क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए हमारे बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की सख्त जरूरत है। हम निवेशकों और उद्यमियों से आग्रह करते हैं कि वे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का उपयोग करके अतिरिक्त विकिरण सुविधाएं स्थापित करने के इस अवसर का लाभ उठाएं। विकिरण सुविधाओं में निवेश करने से खाद्य सुरक्षा बढ़ेगी, बर्बादी में कमी आएगी और समूचे भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा, साथ ही हमारे किसानों के लिए बेहतर दाम भी सुनिश्चित होंगे। भारत के खाद्य उद्योग में पूरी तरह बदलाव लाने के लिए हमारे साथ जुड़िए- आपका निवेश टिकाऊ कृषि के भविष्य को गति देगा और उन्नतिशील अर्थव्यवस्था में योगदान देगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

लिफाफे का नया चलन....

अतुल मलिकराम (लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार)

हम भारतीयों के जीवन में लिफाफे का महत्व किसी मूल्यवान वस्तु से कम नहीं है। शादी हो, सालगिरह हो, बच्चे का जन्म हो, या फिर कोई और खास मौका, शगुन का लिफाफा हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। लेकिन जरा सोचिए, क्या हो अगर ये परंपरा सिर्फ खुशी के मौकों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के कठिन समय में भी लोगों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाए?

जी हाँ, मैं बात कर रहा हूँ उन लिफाफों की जिनमें रूपए-पैसे रखकर अक्सर हम शादी या किसी और मंगल कार्य में भेंट के रूप में देते हैं। लेकिन अगर यही लिफाफा हम किसी के अस्पताल में भर्ती होने पर, किसी की मृत्यु के समय, या फिर किसी आकस्मिक घटना के समय भी देने लगें, तो समाज में कितनी सकारात्मकता आ सकती है। क्या आपने इस पर कभी विचार किया है? आखिर मुश्किल समय में ही पैसों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो सिर्फ मंगल कार्यों में ही हम अपने परिजनों के साथ क्यों रहें? मुसीबत की घड़ी में भी हमें उनके साथ खड़ा रहना चाहिए।

मान लीजिए, आपका कोई मित्र अचानक बीमार हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अस्पताल में इलाज का खर्च आसमान छू रहा है। ऐसे समय में अगर हर मिलने वाला उसके लिए एक लिफाफा भी लेकर जाए, तो यकीन मानिए, वह व्यक्ति न सिर्फ अपने प्रियजनों की दरियादिली का कायल हो जाएगा, बल्कि उसकी आर्थिक समस्या भी थोड़ी कम हो जाएगी। यह छोटा सा बदलाव उसके भावनात्मक और आर्थिक दोनों पहलुओं को मजबूत करेगा, जो उसे इस मुश्किल घड़ी से निकलने में मदद करेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अस्पताल का खर्च किसी शादी के खर्च से कम नहीं होता, और कभी- कभी तो उससे भी ज्यादा होता है। मंगल कार्यों के खर्च में एक बार कटौती की भी जा सकती है, लेकिन मुश्किल के समय में वह भी संभव नहीं हो पाता। तो क्यों न ऐसे वक्त में भी लिफाफे के जरिए अपने प्रियजनों की मदद की जाए?

बचपन में मैंने अपने बड़ों से सुना था, ''किसी के सुख में साथ रहो या न रहो, पर दु:ख में साथ रहना चाहिए।'' मेरा खुद का मानना भी यही है। कई बार दु:ख की घड़ी में हम अपने प्रियजनों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन सही अवसर नहीं मिल पाता, या फिर हम समझ नहीं पाते कि कैसे मदद की जाए। ऐसे में एक छोटा सा लिफाफा हमारी उस भावना को व्यक्त करने का साधन बन सकता है। यह लिफाफा केवल कुछ पैसों का नहीं, बल्कि हमारे स्नेह, सहयोग और सांत्वना का प्रतीक होगा। शगुन का लिफाफा देना एक पुरानी परंपरा है, जिसके पीछे का कारण यही है कि खुशी के मौके पर हम अपने प्रियजनों के साथ अपनी खुशी साझा करना चाहते हैं, और उनके जीवन की नई शुरुआत में अपना योगदान देना चाहते हैं। आमतौर पर शादी के बाद नए जोड़े के पास इतना धन होता है कि वे अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें।

लोग दु:ख में हैं कैसे पता लगेगा, कई लोग अपना दु:ख बताते है कई लोग अपना दु:ख नहीं बता पाते हैं। इसलिए अपनों के संपर्क में बनें रहें और जहाँ जरुरत लगे आर्थिक मदद का एक लिफाफा जरुर भेंट करें। यह न केवल हमारी पुरानी परंपरा को नए रूप में जीवित रखेगा, बल्कि समाज में भी एक नया संदेश देगा कि हम एक-दूसरे के सुख-दुख में हमेशा साथ हैं। और आखिर में, यही तो असली इंसानियत है, है न!

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T.
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि - 1 वर्ष
TALLY & GST FREE
100% JOB ORIENTED
स्टेनो हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि - 1 वर्ष
TALLY & GST FREE
ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन •इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन •GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस •BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

राधाअष्टमी पर बच्चों को भोजन एवं जरूरत की सामाग्री वितरण

दुर्ग। पूरे वर्ष में एक बार आने वाली राधाअष्टमी के अवसर पर जिले के दुर्ग शहर में स्थित छत्तीसगढ़ की सबसे प्राचीन सरदार वल्लभ भाई पटेल प्राथमिक शाला एवं उसके साथ उस परिसर में चलने वाली लाल बहादुर प्राथमिक शाला, सरदार पटेल आत्मानन्द अंग्रेजी स्कूल में शहर की प्रसिद्ध सेवा सँस्था ज़न समर्पण सेवा सँस्था, दुर्ग द्वारा एवं श्री राधे भक्तों द्वारा आज न्यौता भोज का आयोजन किया गया। सँस्था के सुयश तिवारी ने कहा कि राधा रानी की भक्ति में सेवा का स्थान सर्वोच्च था। उन्होंने भगवान कृष्ण की सेवा को अपने जीवन का प्रमुख उद्देश्य बना लिया था। उनकी भक्ति में सेवा का यह अद्वितीय स्वरूप हमें यह सिखाता है कि भक्ति केवल पूजा–अर्चना तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सेवा के रूप में भी प्रकट होनी चाहिए। राधा रानी की सेवा भावना और उनकी भक्ति हमें यह सिखाती है कि सच्ची भक्ति में सेवा और समर्पण का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। सँस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने कहा कि जन समर्पण सेवा सँस्था द्वारा राधाअष्टमी पर यह दूसरा वर्ष है जिसमें सेवा कार्य किये गए इस वर्ष सँस्था द्वारा आयोजित इस न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है, यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है। समुदाय के लोग या फिर कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं। अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। वहीं, न्यौता भोज स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक है। जन समर्पण सेवा सँस्था दुर्ग द्वारा आज न्योता भोजन में 3 स्कूल के लगभग पाँच सौ से अधिक बच्चों को भोजन कराया भोजन कराया गया भोजन में पूड़ी दाल चावल पनीर की सब्जी हरि सब्जी पापड़ सलाद मिष्ठान एवं नमकीन खिलाया गया। भोजन के पश्चात सभी बच्चों को शिक्षा से जुड़ी एवं उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गिरधारी शर्मा आशीष मेश्राम आयुष अग्रवाल सुरेश गुप्ता गुड्डू कश्यप राहुल शर्मा विकाश पुरोहित नयन धर्मकार सुनीता मनहरे पियूषा मनहरे तीनों स्कूल के प्रधानपाठक क्रमश: नितिन अग्रवाल सुषमा साहू, प्रीति पंसारी निर्मल शर्मा सुजल शर्मा अर्जित शुक्ला ईशान शर्मा राजा साहू मनीष दुबे सोनल सेन एवं सैकड़ो बच्चे अभिवावक टीचर्स एवं सँस्था के सदस्य उपस्थित हुए।

जिला विकास सहकारी समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय नई दिल्ली के दिशा निर्देश अनुसार प्रदेश में सहकारी आंदोलन को मजबूती प्रदान करने एवं उसकी जमीनी स्तर पर पहुंच के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा गठित जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिला सहकारी विकास समिति की अध्यक्ष एवं कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में एजेण्डावार विषयों पर चर्चा की गई। कलेक्टर चौधरी ने जिले की समस्त ग्राम पंचायतों को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति या प्राथमिक दुग्ध और मत्स्य सहकारी समितियों से आच्छादित करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया। इसी प्रकार समस्त पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर एवं ई–डिस्ट्रीक्ट के रूप में आई.डी. जेनरेट करने और राष्ट्रीय बीज सहकारी समिति, जैविक सहकारी समिति एवं निर्यात सहकारी समितियों में समस्त सेवा सहकारी समितियों में शतप्रतिशत सदस्य बनाने हेतु जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को निर्देशित किया गया।

पाउवारा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 11 सितम्बर 2024 को आदर्श इस्पात ग्राम पाउवारा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम पाउवारा में आयोजित चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ एम सरस्वती, बीपी, शुगर एवं रक्त जांच हेतु रेखा देव, फर्मासिस्ट गौर, पंजीयन हेतु शम्भू दयाल तथा विभाग की ओर से आशुतोष सोनी उपस्थित थे। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में कुल 60 लोगों की जांच की गयी जिनमे 24 पुरुष, 30 महिलाएं और 06 बच्चे शामिल थे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है।

महिलाओं के लिए आयोजित वाहन चालन प्रशिक्षण के दूसरे बैच का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र का निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा, ड्राइविंग और ट्रैफिक रिसर्च संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, नवा रायपुर (आईडीटीआर) के सहयोग से भिलाई और आसपास के क्षेत्रों की कुल 50 महिलाओं को अलग अलग बैचों में 1 महीने के लिए, निःशुल्क लाइट मोटर वाहन ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान किये जाने की योजना का क्रियान्वन शुरू हो चुका है।

इसी कड़ी में कौशल विकास योजना के अंतर्गत दिए जा रहे इस प्रशिक्षण के दूसरे बैच का उद्घाटन कार्यक्रम, 11 सितम्बर 2024 को सीएसआर विभाग के सेक्टर 5 ऑफिस में, डीआईजी (सीआईएसएफ) प्रतिभा अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस ड्राइविंग प्रशिक्षण के दूसरे बैच के लिए सीएसआर परिधि के अंतर्गत आने वाले स्टोरपारा की कुल 16 महिलाओं का चयन किया गया है। 20 मई 2024 को आयोजित इसके पहले बैच में भी 16 महिलाओं का चयन किया गया था। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें उपयुक्त रोजगार के अवसर मिल सकें। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण के पूर्व बीएसपी के सीएसआर विभाग ने महिलाओं का साक्षात्कार किया जिसके आधार पर लाभार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ, कमांडेंट (सीआईएसएफ) अभिजीत, डिप्टी कमांडेंट (सीआईएसएफ) तनवीर अहमद, असिस्टेंट कमांडेंट (सीआईएसएफ) मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर एवं संयुक्त निदेशक (आईडीटीआर) अमित गुप्ता मंचासीन थे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) सुशील कुमार कामड़े, उप प्रबंधक (सीएसआर) के के वर्मा सहित सीआईएसएफ, सीएसआर विभाग, आईडीटीआर के अन्य कर्मचारीगण और महिला प्रशिक्षु उपस्थित थे।

डीआईजी (सीआईएसएफ) प्रतिभा अग्रवाल ने सीएसआर के इस पहल की सराहना की। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, कि आज की मुख्य अतिथि मैं नहीं अपितु आप सभी प्रशिक्षु महिलाएं हैं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में भाग लिया और अपनी प्रतिभागिता से इस प्रशिक्षण को सम्भव बनाया। समाज में महिलाओं के लिए कई चुनौतियां हैं और आपने यहाँ पहुचकर इन चुनौतियों को स्वीकार किया है। आपने अपने मन की आशाओं और आकांक्षाओं को प्रदर्शित करते हुए, आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम ले लिया है, जो किसी भी कार्य को करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आपकी तरह मैंने भी इन चुनौतियों को स्वीकारते हुए आत्मनिर्भरता की राह पर परिवार और अपने कार्य के बीच संतुलन बनाकर चलना सीखा। हम महिलाओं पर कई जिम्मेदारियां होती है।

सेल-बीएसपी ने जीता 25वां सीआईआई राष्ट्रीय ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार 2024

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र को 10–11 सितंबर 2024 को हैदराबाद में आयोजित 25वें सीआईआई राष्ट्रीय ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार–2024 समारोह में वर्ष 2023–24 के लिए प्रतिष्ठित एक्सीलेंट एनर्जी एफिषियेंट एनर्जी यूनिट पुरस्कार एवं मोस्ट इनोवेटिव प्रोजेक्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बीएसपी को प्लांट से एलडी स्लैग का उपयोग कर अपनी पेवर ब्लॉक निर्माण परियोजना के लिए यह पुरस्कार प्रदान किए गए।

उल्लेखनीय है कि सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र को मेटल्स क्षेत्र में लगातार तीसरी बार उत्कृष्ट ऊर्जा कुशल इकाई पुरस्कार तथा लगातार दूसरी बार नवीन परियोजना पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के अलावा, एकीकृत स्टील प्लांट श्रेणी में केवल आरआईएनएल एवं टाटा स्टील जमशेदपुर को ही यह ऊर्जा कुशल इकाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

स्वच्छता ही सेवा के तिथि में परिवर्तन सभी अधिकारी अलर्ट मोड में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में स्वच्छता ही सेवा की शुरूआत 14 सितम्बर से होने वाली था, जो अब 17 सितम्बर से शुरू होगी एवं 2 अक्टूबर को इसका समापन होगा। साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम आने वाली है उसको देखते हुए नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी सभी जोन में अलर्ट मोड में काम कर रहे है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी जोन आयुक्त एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियो को निर्देशित किये है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं होगी। सुबह 6 बजे से सभी लोग फिल्ड में नजर आना चालिए मै कहीं भी जाकर औचक निरीक्षण कर सकता हूँ। लापरवाही पाये जाने पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी के विरूद्व तत्काल कार्यवाही की जावेगी। सफाई नगर निगम भिलाई की पहली प्राथमिकता है।

जिसमे प्रमुख रूप से सुलभ शौचालयो का साफ–सफाई, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, नलो एवं वास बेसिंग के आस–पास कहीं भी गंदगी न पाई जाये इत्यादि पर ध्यान देना है। कई सुलभ शौचालय के स्वास्थ्य कर्मचारियो से शिकायत मिल रही है। कि जिन शौचालयो मे पानी की टोटी, मग एवं बाल्टी, वास बेसिंग में मिरर इत्यादि लगाया दिया गया है। वहां असामाजिक तत्वो द्वारा गायब कर दिया जाता है। जिससे अन्य लोगो को परेशानी होती है। गौरतलब है कि ये सब सुविधा स्थानीय लोगो के लिए ही प्रदाय की जाती है। कुछ लोग छोटे–छोटे लालच में फस के इस प्रकार के कृत्य करते है।

शहर के सभी वार्डो को मिले विकास का सामान रुप से लाभ-धीरज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल ने बुधवार को एमआईसी सदस्य व पार्षदों के साथ विधायक गजेंद्र यादव के निवास में मुलाकात कर उन्हें निगम के क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं निकाय के प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को मूलभूत सुविधा प्रदान करने हेतु मांग पत्र सौंपा।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने विधायक गजेन्द्र यादव से कहा है कि शहर के सभी वार्डो को विकास का लाभ सामान रुप से मिले.उन्होंने कहा कि पिछले 8 माह से स्वीकृत कार्यो की राशि नगर निगम को नहीं मिल पायी है। शहर का लगभग पूरा हिस्सा अंधेरे की चपेट में है।पूरे शहर के वार्डो में कई जगह विद्युत व्यवस्था की आवश्यकता है। आने वाला समय त्यौहारों का समय है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि स्ट्रीट लाईटों को समस्त वार्डो मे आवश्यकता अनुरूप समान रूप से वितरित किया जाना उचित होगा।महापौर धीरज बाकलीवाल ने विधायक गजेंद्र यादव से चर्चा में बताया कि पूर्व मे अधोसंरचना मद पांच करोड़ अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि से मात्र 17 वार्डो में ही विकास कार्य हुआ तथा 43 वार्डों में विकास कराया जाना है। जिन वार्डो में विकास कार्य नहीं हुआ उसे आने वाले अधोसंरचना मद से समतुल्य आबंटन किया गया है। ताकि सभी वार्डो का चौमुखी विकास हो।उन्होंने विधायक से उक्त विषय को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए निगम क्षेत्र के समस्त वार्डो के सर्वांगीण विकास हेतु शीघ्र करवाने के लिये निवेदन किया।इस दौरान सभापति राजेश यादव, एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,दीपक साहू, संजय कोहले,जमुना साहू,सत्यवती वर्मा, हमीद खोखर,मनदीप सिंह भाटिया,ज्ञानदास बंजारे,प्रेमलता साहू,नजहत परवीन,कुलेश्वर साहू,माहेश्वरी ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहें।

691 जल सेंपल लिए 647 सेंपल पास 44 सेंपल असफल तत्काल निराकृत हो-आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में पेयजल विभाग द्वारा पुरे क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जा रही है। जिसमें मौसम को देखते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने जलकार्य विभाग को निर्देशित किये थे, कि सभी वार्डो में पानी का सेंपल लिया जाए। उसकी गुणवत्ता की जॉच किया जाये की पानी पीने योग्य है की नहीं।

इसी तारत्मय में एक हफ्ते के अंदर नेहरू नगर जोन में 118 सेंपल, वैशाली नगर जोन में 100 सेंपल, मदर टेरेसा नगर में 80 सेंपल, शिवाजी नगर

खुर्सीपार जोन में 92 सेंपल एवं जोन 05 सेक्टर 06 में 150 सेंपल लिए गये। इसमें से 647 सेंपल निर्धारित मापक के अनुसार सफल पाये गये। 44 सेंपल सभी जोन के मिलाकर असफल पाये गये। इसमें से कुछ क्षेत्रो में पानी का लिकेज होने के कारण मरम्मत करके ठीक किया गया। लगभग 14 सेंपल बोर एवं कुएँ इत्यादि के थे। जिन्हे ब्लीचिंग पाउडर एवं आवश्यक पदार्थ डालकर ठीक किया गया।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने मीटिंग के दौरान सभी अधिकारियो को निर्देशित किये की हमारा मूल उददेश्य है कि सभी को शुद्व पेयजल पीने को मिले। इतने बडे क्षेत्र में लिकेज होना स्वभाविक बात है उतने ही तत्परता से उसे ठीक कर देना चाहिए। कुछ अधिकारियो की शिकायत थी कि लिकेज की समस्या स्थानीय निवासियो द्वारा चोरी छिपे पाईप लाईन में छेद करके कनेक्शन ले लिया जाता है बाद में उसको ढक देते है। इतनी सफाई से चोरी छिपे कनेक्शन लेते है कि समान रूप से पता नहीं चलता है। ऐसे जगहो पर लिकेज पाया जाता है जिससे पीलिया डायरिया एवं जल संबधी बिमारी होने की सम्भावना बनी रहती है। ऐसे कार्यो से लोग बचे। निगम की टीम सर्वे करने जायेगी अगर कोई ऐसा व्यक्ति मिलता तो उसके खिलाफ चालानी कार्यवाही करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी एवं संबंधित के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज भी कराया जायेगा। एक गलती एक व्यक्ति करता है, और प्रभावित सभी होते है।

यूनिवर्सल रेल मिल ने अगस्त 2024 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल, जो विष्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल को सिंगल पीस में रोल करती है, ने अगस्त 2024 के महीने में अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया है। मिल ने अगस्त 2024 में 130 मीटर रेल की 8020 नग रोल कर, दिसंबर 2023 में 130 मीटर रेल रोलिंग के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 7090 नग को पार किया। यूआरएम ने अगस्त 2024 में 96.2 प्रतिषत की अपनी सर्वश्रेष्ठ यील्ड भी दर्ज कर, दिसंबर 2023 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ यील्ड 95.6 प्रतिषत को पार किया। अगस्त 2024 माह में यूनिवर्सल रेल मिल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्राइम रेल उत्पादन 80,617 टन दर्ज कर, अगस्त 2023 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 77,197 टन को पीछे छोड़ा। यूआरएम जो 130 मीटर लंबाई के दो रेल पांत को वेल्डिंग कर भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनलों की आपूर्ति करती है, ने अगस्त 2024 में सर्वश्रेष्ठ 5045 वेल्ड ज्वाइंट्स का रिकॉर्ड बनाते हुए अगस्त 2023 में दर्ज 4880 वेल्ड ज्वाइंट्स के रिकॉर्ड को पार किया। उल्लेखनीय है कि यूआरएम भारतीय रेलवे के विनिर्देशों के अनुसार 60 ई1 प्रोफाइल में आर260 ग्रेड रेल की रोलिंग करती है।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत 14 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर 14 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान को स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता की थीम दी गई है। स्वच्छता ही सेवा 2024 अंतर्गत मुख्यत: तीन प्रमुख स्तम्भ स्वच्छता की भागीदारी, सम्पूर्ण स्वच्छता एवं स्वच्छता लक्षित इकाई एवं सफाई मित्र सुरक्षा शिविर पर कार्य किए जाने पर जोर दिया गया है।

जिसे विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जनभागीदारी के माध्यम से किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में स्वच्छता सेवा अभियान के दौरान जिले में 02 अक्टूबर तक विविध गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 सितम्बर को स्वच्छता की भागीदारी अंतर्गत स्वच्छता शपथ, श्रमदान से शासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों की साफ–सफाई, ब्लैक स्पॉट की साफ–सफाई हेतु ग्रामीण जनभागीदारी, स्वच्छाग्राही, गैर सरकारी संगठन, सी.एस.ओ., औद्योगिक संस्थाएं, पार्टनर संस्थाएं आदि को जिम्मेदारी सौपते हुए साफ–सफाई करना। 15 सितम्बर को घर–घर कचरा एकत्रीकरण एवं सार्वजनिक स्थानों की साफ–सफाई एवं एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन। 16 सितम्बर को सभी ग्राम में अपशिष्ट सामग्री से कलाकृति निर्माण गतिविधि का आयोजन और युवाओं की सहभागिता से स्वच्छता मैराथन, सायकल रैली, वॉल पेंटिंग मानव श्रृंखला का आयोजन। 17 सितम्बर को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत निर्मित इकाइयों का जीर्णोद्धार, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता संबंधित पेंटिंग करना, सी.एस.आर. संस्थाओं को गतिविधियों हेतु जिम्मेदारी सौपना।

18 सितम्बर को शालाओं में स्वच्छता प्रदर्शनी, खेल एवं प्रतियोगिता का आयोजन एवं विकासखंड/संकुल स्तर पर सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन। 19 सितम्बर को घर–घर सम्पर्क कर स्वच्छता जागरूकता अभियान, विकासखंड/संकुल स्तर पर सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन। 20 सितम्बर को व्यवहार परिवर्तन और अधिक–से–अधिक जनभागिदारी, स्वच्छता हेतु गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी, नवाचार गतिविधियों, रात्रिकालिन मशाल रैली का आयोजन, विकासखंड/संकुल स्तर पर सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन। 21 सितम्बर को सार्वजनिक स्थल, शासकीय भवन, हाट बाजार, स्कूल, आंगनबाड़ी, कॉलेज बस टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, ऑटो स्टैण्ड, नदी, तालाब, जलाशय, डबरी, नाली, दार्शनिक व धार्मिक स्थल एवं जल स्त्रोतों के आस–पास जनभागीदारी से साफ–सफाई। 22 सितम्बर को गारबेज ट्राईसायकल के साथ रैली एवं घर–घर कचरा एकत्रीकरण गतिविधि का आयोजन, स्वच्छता इकाइयों का रख–रखाव एवं जीर्णोद्धार, सामुदायिक शौचालय की साफ–सफाई अभियान चलाया जाएगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

डोंगरगढ़-महासमुंद रेलवे स्टेशन का नियंत्रण रायपुर रेल मंडल को सौंपे जाने की सिफारिश

रायपुर। डोंगरगढ़ और महासुंद रेलवे स्टेशन को रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत समाहित किए जाने की मांग रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में सांसदों ने वकालत की है। वर्तमान समय में डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन का नियंत्रण नागपुर मंडल और महासमुंद रेलवे स्टेशन का नियंत्रण सम्बलपुर रेल मंडल द्वारा किया जा रहा है। जबकि यह दोनों ही रेलवे स्टेशन रायपुर रेलवे मंडल के ज्यादा नजदीक है। इसके साथ ही रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में लगातार ट्रेनों के निरस्त किए जाने से यात्रियों को हो रही परेशानियों का मुद्दा भी उठाया गया। रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति में मुद्दों पर हुई चर्चा की जानकारी व सिफारिशों को रेलवे अधिकारियों ने रेलवे बोर्ड को भेजे जाने की बात कहीं और कहा कि ट्रेनों को रद्द किए जाने की पहले जैसी स्थिति नहीं है। लगभग सभी ट्रेनें शुरु कर दी गई है।

राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने डोंगरगढ़ रेलवे का नियंत्रण अभी भी नागपुर रेल मंडल के अधीन होने पर आपत्ति की। यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए प्रशासनिक नियंत्रण में बदलाव की जरूरत है। राज्यसभा सदस्य ने डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन का नियंत्रण रायपुर रेल मंडल को देने का सुझाव दिया है। बाकी सांसदों ने भी इसका समर्थन किया। बैठक में रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने महासमुंद रेलवे स्टेशन को भी रायपुर रेल मंडल के अधीन करने का प्रस्ताव दिया है। यह रेलवे स्टेशन अभी संबलपुर रेलमंडल के अधीन आता है। बैठक में छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों में छत्तीसगढ़ व्यंजन उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया, जिस पर रेलवे अफसरों ने मान लिया। यह भी कहा गया है कि छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों में छत्तीसगढ़ी व्यंजन के लिए अलग से स्टॉल लगाए जाए।

बैठक में सांसदों ने यह भी जानना चाहा कि रेलवे पथ के निर्माण में कितने पेड़ कटे हैं और कितने पेड़ लगाए गए हैं। इसकी जानकारी जल्द उपलब्ध कराने की बात कही गई। सांसदों ने रेल यात्रियों की सुरक्षा, सफाई, और पौष्टिक भोजन का सुझाव दिया है। सांसदों ने रेल लाईन के कामों में तेजी लाने का सुझाव दिया है। बैठक में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन, भोजराज नाग, महेश कश्यप, रेलवे महाप्रबंधक सुश्री नीरू सहित रायपुर मंडल के सभी अफसर मौजूद थे।

सीएचसी में उपलब्ध कराई गई शुगर नापने मशीन

रायपुर। बीरगांव नगर निगम के वार्ड क्रमांक 16 सिलतरा निवासी श्रीमती रूकमणि साहू ने धरसींवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शुगर और बीपी की मशीन खराब होने की शिकायत की थी। उनका कहना था कि मशीन खराब होने से आने मरीजों के उपचार में परेशानी आ रही है। इसको लेकर उन्होंने संबंधित विभाग में भी शिकायत की थी। लेकिन इस संबंध में देरी होने से उन्होंने कलेक्टोरेट के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जहां से तत्काल में सीएचसी में शुगर नापने की मशीन को उपलब्ध करवा दिया गया।

खादी में भी है युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खादी के महत्व को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मौसम कोई भी हो, खादी के कपड़े अनुकूल होते हैं। खादी के क्षेत्र में भी युवाओं के लिए कैरियर की अपार संभावनाएँ हैं। यह बातें मैट्स यूनवर्सिटी के हिन्दी विभाग एवं भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, राज्य कार्यालय रायपुर द्वारा हिन्दी सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विद्वानों ने कहीं।

मैट्स विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी ने बताया कि राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिन्दी सप्ताह का आयोजन 14 सितंबर तक किया जाता है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर द्वारा निबंध प्रतियोगिता के लिए इस वर्ष मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग का चयन किया गया। यह जानकारी विद्यार्थियों को विशेष रूप से उपस्थित खादी और ग्रामोद्योग उद्योग के निदेशक के निज सहायक श्री रिजवान अहमद ने दी। उन्होंने बताया कि खादी विभाग अपनी अनेक योजनाओं के माध्यम से खादी के प्रति लोगों को जागरूक करने प्रचार-प्रसार और विकास के साथ ही युवाओं को स्वरोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। युवाओं को 50 लाख रुपए तक के लोन और 25 से 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. के.पी. यादव ने विद्यार्थियों को निबंध लेखन की बारीकियों से अवगत कराते हुए प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए अच्छी भाषा शैली के साथ कम शब्दों में पूरी बात कहने की कला से अवगत कराया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के महानदिशेक प्रियेश पगारिया ने हिन्दी सप्ताह के आयोजन की सराहना करते हुए निबंध प्रतियोगिता के लिए मैट्स यूनिवर्सिटी के चयन पर खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलसचिव श्री गोकुलानंदा पंडा ने खादी के वस्त्रों की विशेषताएं बताते हुए इसके ऐतिहासिक महत्व को भी रेखांकित किया। निबंध प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 37 विद्यार्थीयं ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को खादी विभाग द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। विभागाध्यक्ष हिन्दी डा. रेशमा अंसारी ने विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी। हिन्दी सप्ताह के तहत कहानी लेखन, तात्कालिक भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. सुनीता तिवारी, डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव, प्रियंका गोस्वामी, सुरभी सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थीगण उपस्थित थे। संचालन डॉ. कमलेश गोगिया ने किया। मैट्स विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. केपी यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया, उपकुलपति डॉ. दीपिका ढांढ, कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा ने हिन्दी सप्ताह के आयोजन को सराहनीय प्रयास बताया।

जिला हॉस्पिटल बलौदाबाजार में स्थापित डायलिसिस सेंटर मरीजों के लिए वरदान

अब तक 26 सौ से अधिक डायलिसिस सेशन से मरीज हुए लाभांवित

श्रीकंचनपथ न्यूज

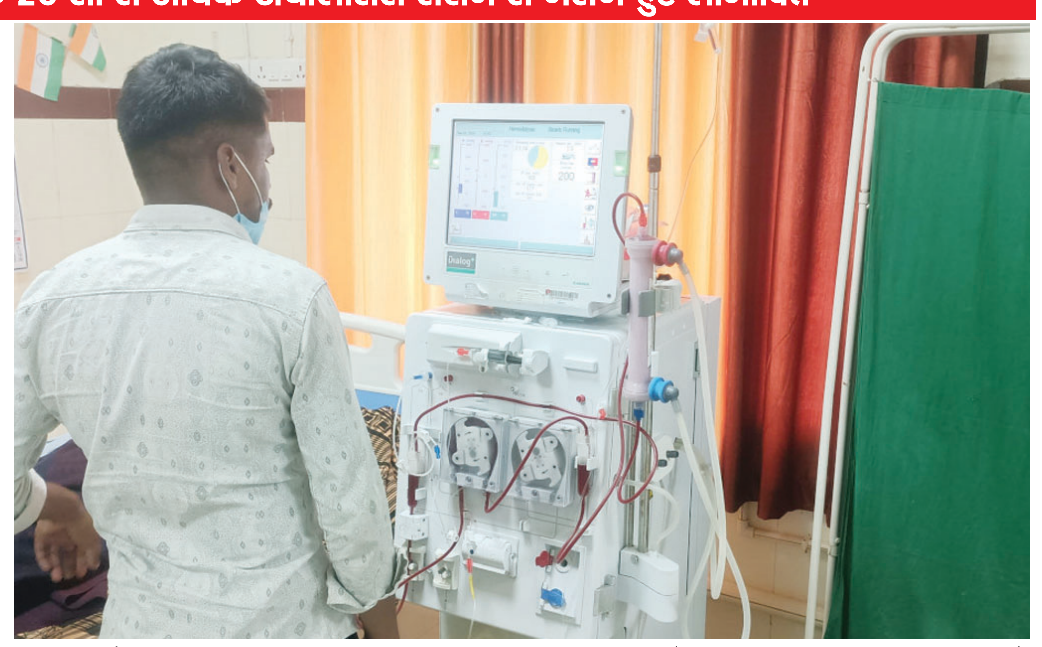

रायपुर। जिला हॉस्पिटल बलौदाबाजार में 2 वर्ष पूर्व स्वास्थ्य विभाग एवं डीएमएफ के सहयोग से अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर की स्थापना की गई है। जिसके अब सकारात्मक परिणाम जिले के किडनी मरीजों को मिल रहा है। जिले के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों का डायलिसिस के लिए यहां आना होता है ऐसे में उन्हें इसका पूरा लाभ मिल रहा है। दिसम्बर 2023 से लेकर अगस्त 2024 तक प्रति दिवस तीन डायलिसिस सेशन प्रति मशीन के अनुसार अब तक 2688 सेशन किये गए हैं।

इस संबंध में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया की प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम अंतर्गत नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा दी जा रही है। अस्पताल में इस समय डायलिसिस हेतु चार मशीनें लगाई गई हैं। जिला चिकित्सालय में लगी हुई मशीनों द्वारा लगभग 4 घंटे में डायलिसिस पूरी होती है। स्थिति के अनुसार मरीज को माह में आठ से बारह बार तक डायलिसिस करवाना पड़ सकता है। वर्तमान में डायलिसिस यूनिट में 38 एक्टिव पंजीकृत मरीज हैं जो नियमित रूप से डायलिसिस करवाने आते हैं। उक्त चार मशीनों में एक मशीन हेपेटाइटिस सी के मरीजों के लिए कार्य कर रही है।

डायलिसिस का लाभ ले रहे कसडोल नगर निवासी 67 वर्षीय पूरण लाल साहू के साथ आएं भतीजे देवेंद्र ने बताया की पहले डायलिस के लिए चाचा जी को रायपुर ले जाना पड़ता था जो काफी खर्चीला और परेशानी भरा होता था अब घर के समीप ही सुविधा मिल जाती है। उन्हें हफ्ते में तीन बार लाता हूं। इसी तरह ग्राम चरौदा के 56 वर्षीय दिलीप बघेल ने बताया की लगभग 10 माह पूर्व रायपुर में जाँच के बाद डायलिसिस की सलाह दी गई थी। कुछ समय वहां रह के कराए,बाद में बलौदाबाजार के ही एक निजी अस्पताल गए जहां काफी पैसा लगता था,उसके बाद जिला अस्पताल से लाभ ले रहे हैं।

डायलिसिस कराने वाले मरीज के परिजनों ने बताया की अस्पताल में यह सुविधा पूरी तरह से निशुल्क है तथा अब हमें डायलिसिस के लिए दूर शहर रायपुर अथवा बिलासपुर में नहीं जाना पड़ता जिसके कारण हमें हर प्रकार से सहूलियत होती है।आने-जाने का खर्च तो बचता ही है साथ में बीमारी की स्थिति में सफर के थकान से भी बचाव होता है। वर्तमान में डायलिसिस यूनिट हेतु दो टेक्नीशियन एवं एक हाउस कीपिंग स्टाफको रखा गया है जो निरंतर अपनी सेवा दे रहे हैं। इस यूनिट में डायलिसिस के साथ-साथ मरीज को विशेष प्रकार के खानपान के संबंध में भी शिक्षित किया जाता है।

सिविल सर्जन डॉ के के टेम्भूरने ने बताया की डायलिसिस गुर्दे अथवा किडनी की बीमारी से ग्रसित मरीज के लिए वह विधि है जिसमें जब गुर्दे काम करना बंद कर देते हैं या फिर उनकी क्षमता कम हो जाती है तब कृत्रिम तरीके से शरीर के अपशिष्ट पदार्थों को इस विधि के माध्यम से शरीर से बाहर निकाला जाता है। यह तब तक करना पड़ता है जब तक व्यक्ति पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो जाता या फिर नई किडनी प्रत्यारोपित नहीं की जाती। यदि अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर ना निकाला जाए तो शरीर में विष फैल सकता है तथा व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। सीएमएचओ ने जिले के निवासियों से आवश्यकता पड़ने पर इस सुविधा का लाभ लेने हेतु अपील की है।

सिद्धि तप के तपस्वियों का फूलों की वर्षा कर किया स्वागत

■ भव्य सिद्धि शिखर विजययात्रा के साथ सिद्धि शिखर विजयोत्सव का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कहते हैं तप हर किसी के बस का खेल नहीं, खेल वही सकता है जो तप का सौदागर हो, तप करना,अपनी रसना को वश में करना,अपनी भोजन संज्ञा पर विजय पाना कोई खेल नहीं है। ऐसे कठिन सर्व सिद्धि दायक श्री सिद्धि तप की कठिन तपस्या को रायपुर की सुपुत्री साध्वी चिंतननिधि श्रीजी मसा सहित 114 शूरवीर साधकों ने कर दिखाया है। इस उपलक्ष्य में जारी सिद्धि शिखर विजयोत्सव का सफलतापूर्वक समापन भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।

चतुर्विद संघ गुरुभगवंतों के सानिध्य में सुसज्जित बग्गियों, कारों, घोड़े, ऊंट, बैंड- बाजे के साथ हर्षोल्लास पूर्वक सिद्धि शिखर विजय यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में शामिल जैन समाज के लोगों ने तपस्वियों का अभिवादन किया। विजययात्रा विवेकानंद नगर जिनालय से शुरू होकर बुढ़ापारा इंडोर स्टेडियम पहुंची।

शोभायात्रा में 30 बग्गियों और 8 विंटेज कारों में श्री सिद्धि तप के तपस्वियों को विराजित किया गया। शोभायात्रा विवेकानंद नगर से बैरनबाजार,महिला थाना चौक, नगर निगम मार्ग, बुढ़ापारा सप्रे स्कूल मार्ग होते हुए इंडोर स्टेडियम पहुंची। इससे पहले सप्रे स्कूल के पास तपस्वियों का फूलों की बारिश व गुलाब जल छिड़काव कर अभिवादन किया गया

सिद्धि शिखर विजयोत्सव के समापन अवसर पर समाजजनों ने तपस्वियों के साथ श्रावक-श्राविकाओं का भी अभिवादन किया। शोभायात्रा की समाप्ति पर ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने श्री सिद्धि तप और श्री सिद्धि विजय उत्सव के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर श्रावक श्राविकाओं को आशीर्वाद स्वरुप बधाई आशीर्वचन दिया। पूरे मार्गभर समाज के द्वारा अनुकंपा भी रखी गई। समाजजनों के लिए प्रसादी रखी गई। 15 सितंबर को सिद्धि तप की तपस्या के सफलतापूर्वक होने पर महापूजन का आयोजन विवेकानंद नगर में रखा गया है।

राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण करने प्रयास किया जाना जरूरी : सिन्हा

राष्ट्रीय लोक अदालत 21 सितंबर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी नेशनल लोक अदालत 21 सितंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ उच्च न्यायालय-सह-मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ उच्च न्यायालय-सह-मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने सभी न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया कि जिस गति से न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या बढ रही है, उसमें यह जरूरी है कि लोक अदालतों के आयोजन में राजीनामा योग्य मामलों का पक्षकारों की आपसी सहमति से विधि सम्मत निराकरण करने का सभी संभव प्रयास किया जावे।

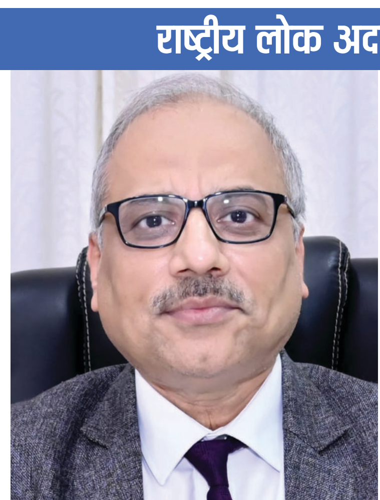

मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से निराकृत प्रकरणों का लाभ जहां मामले के दोनों पक्षकारों को मिलता है, वहीं ऐसे मामलों के निराकृत होने से न्यायालयों में भी लंबित मामलों की संख्या कम होती है जिससे न्यायालय के पीठासीन अधिकारी राजीनामा योग्य मामलों से हटकर अन्य प्रकृति के लंबित मामलों को निराकृत करने में न्यायालयीन कार्य दिवसों में अधिक समय दे पाते हैं। उन्होंने 21 सितंबर 2024 को आयोजित होने जा रही नेशनल लोक अदालत में राजीनामा प्रकृति के सभी सिविल, आपराधिक एवं अन्य प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित कर विधिवत् निराकृत करना साथ-ही-साथ न्यायालयों में 5 एवं 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि बैंकों, अन्य वित्तीय संस्थाओं, विद्युत वितरण कंपनियों, बीएसएनएल, बीमा कंपनियों एवं अन्य के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्री-लिटिगेशन आवेदनों के पक्षकारों की प्री-सिटिंग करा अधिक-से-अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों के निराकरण की आवश्यकता है। सामान्य राजीनामा योग्य मामलों का न्यायालय में आने से पूर्व प्री-लिटिगेशन स्तर पर ही निराकरण हो जाने से ऐसे मामले न्यायालय तक नहीं आते जिससे पक्षकारों को तो लाभ होता ही है, न्यायालयों में भी लंबित मामलों को संस्थित किए जाने की संख्या में वृद्धि नहीं होती है।

मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने व्यक्त किया कि पक्षकारों की सहमति से एवं विधि अनुसार अधिक-से-अधिक राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण करने के लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी का यथोचित प्रयास अपेक्षित है। अवगत हो कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 हेतु निर्धारित कैलेण्डर अनुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन 21 सितंबर 2024 को उच्च न्यायालय से लेकर तहसील न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों में भी आयोजित किया जा रहा है। जिलों से प्राप्त अब तक की जानकारी अनुसार 180259 प्री-लिटिगेशन मामले तथा 34824 न्यायालयों में लंबित सहित कुल 215083 मामलों का चिन्हांकन किया जा चुका है, जिनके पक्षकारों के मध्य राजीनामा की संभावनाओं का प्रयास किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी के संबंध में आयोजित बैठक में न्यायाधीश छत्तीसगढ उच्च न्यायालय-सह-कार्यपालक अध्यक्ष छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी तथा न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल शामिल हुए। समस्त जिलों के प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उनके सचिव, फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रम न्यायालय के न्यायाधीश भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

जैतू साव मठ में भगवान को लगाया गया 56 भोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित जैतू साव मठ में श्री राधाष्टमी जन्मोत्सव का विधिवत पूजन आराधना कर प्रारंभ हुआ। इस दौरान भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया था। विविध प्रकार के बने 56 भोग श्रीराधानी और भगवान श्रीकृष्ण को लगाया गया। पुजारी सुमित तिवारी ने महाआरती किया वहीं महिला मंडली द्वारा सुबह से ही भजन कीर्तन किया जा रहा है जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो गया है। इस अवसर पर राज्य गौसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महंत रामसुंदर दास, कांग्रेस के पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा, महेंद्र अग्रवाल, अजय तिवारी, दीपक पाठक, गोविंद उपाध्याय, मुंशी धनेंद्र, शैल अग्रवाल, संतोषी अग्रवाल, शारदा शुक्ला, मधु अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मनीषा यदु, सावित्री यदु, योगिता, ललिता, उषा झा, जयश्री सिन्हा, मधूश्याम,प्रमिला, उज्जवल ठाकुर, पियूष नंदे सहित बड़ी संख्या में भक्त जन उपस्थित थे।

गर्म और ठंडा एक साथ खाने से क्या वाकई में कमजोर हो जाते हैं दांत?

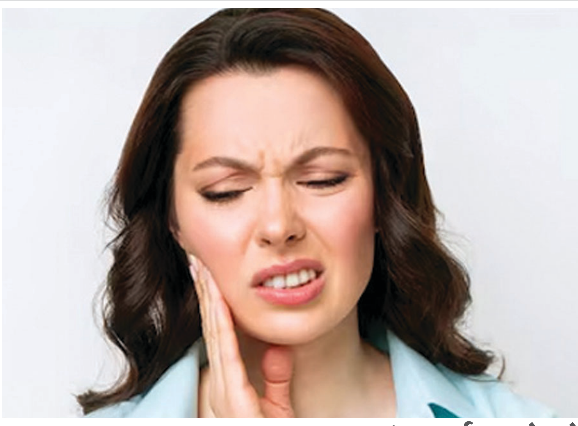

आजकल खाने का ट्रेंड बदलता जा रहा है। खाने को लेकर लोगों की पसंद बदल रही है और नए-नए एक्सपेरिमेंट किए जा रहे हैं। कुछ लोग आइसक्रीम के साथ गर्मागर्म गुलाब जामुन खाते हैं या फिर आइसक्रीम और पकौड़े साथ खाते हैं या चाय-कॉफी के साथ कुछ ठंडा खाया करते हैं। ऐसे फूड्स सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। खासकर दांतों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकते हैं।

ठंडा-गर्म कॉम्बिनेशन खाना क्यों नुकसानदायक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हमारे शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है। जब भी हम कुछ भी ज्यादा गर्म या ठंडा खाते हैं तो शरीर को उसे पचाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। वहीं, जब हम एक साथ गर्म या ठंडा चीज खाते हैं तो शरीर असहज होने लगता है। इन दोनों को सही तरह पचाने के लिए ज्यादा एनर्जी की जरूरत पड़ती है। इसका नुकसान शरीर को झेलना पड़ता है।

क्या ठंडा-गर्म खाने से दांत कमजोर होते हैं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब हम गर्म चीज खाने के तुरंत बाद ठंडी चीज खाते हैं तो दांतों पर इसका बुरा असर पड़ता है। खासकर इनैमल सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। फूड्स के टेंपरेचर में बहुत ज्यादा बदलाव होने पर दांत का इनैमल क्रैक होने लगता है। इसे जो नुकसान होता है, वो परमानेंट होता है, जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। इससे दांतों की ताकत कमजोर हो जाती है।

दांतों का ख्याल कैसे रखें

- खानपान पर ध्यान दें। साबुत अनाज, ताजे फल, सब्जियां और दूध-दही वाली चीजें खाएं।
- मीठी चीजें और एसिडिक ड्रिंक्स से दूरी बनाएं। खाते भी हैं तो तुरंत पानी से कुल्ला करें।
- भोजन में कच्चे फल या सब्ज़ियां जरूर शामिल करें।
- एसिडिक ड्रिंक्स पीते भी हैं तो स्ट्रॉ से पिएं।
- दिन में कम से कम दो बार ब्रश जरूर करें।
- हर छह महीने में दांतों की जांच कराएं।

श्वेता तिवारी ने लेटेस्ट तस्वीरों में शेयर किया बॉसी लुक, दीवाने हुए फैंस

भोजपुरी से टीवी तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर जब भी कोई पोस्ट शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस होश खो बैठे हैं।

श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर का ब्लेजर पहना हुआ है और साथ ही व्हाइट कलर की पेंट कैरी की है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

खुले बाल, चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

हसीन दिलरुबा के बाद गांधारी बनेंगी तापसी पन्नू

कनिका ढिल्लों संग किया एक्शन थ्रिलर फिल्म का एलान

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू और राइटर कनिका ढिल्लों की पिछली रिलीज फिर आई हसीन दिलरुबा थी। जिसे क्रिटीक्स और फैंस की खूब सराहना मिली। अब ये जोड़ी फिर से एक एक्शन थ्रिलर के साथ धमाल मचाने को तैयार है। हाल ही में कनिका ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के साथ अपनी नई फिल्म का एलान किया है। जिसका टाइटल गांधारी है, जिसमें लीड रोल तापसी पन्नू निभाने जा रही है।

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अनाउंस किया कि बॉलीवुड स्टार तापसी पन्नू और राइटर-फिल्म मेकर कनिका ढिल्लन ने फिल्म गांधारी का अनाउंसमेंट किया है। इसके पहले दोनों ने हसीन दिलरुबा (2021) और इसके सीक्वल फिर आई हसीन पर साथ काम किया है जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला और क्रिटीक्स ने भी इसकी सराहना की। फिर आई हसीन दिलरुबा 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म की पहली झलक से पता चलता है कि गांधारी जो कि एक्शन थ्रिलर है में मां और बच्चे के बीच के गहरे प्यार को दर्शाया जाएगा। अनाउंसमेंट वीडियो में तापसी को कहते हुए सुना जा सकता है- कहते हैं मां कि दुआ हमेशा साथ चलती है लेकिन जब बात उसके बच्चे पर आती है तो काली भी वही बनती है। इससे पता चलता है कि फिल्म मां और बच्चे के गहरे प्यार और रिश्ते के बारे में हैं। लेकिन चूंकि यह एक एक्शन थ्रिलर है तो फिलहाल अंदाजा लगाना मुश्किल है कि फिल्म में ट्विस्ट कैसा होगा। इस फिल्म को देवाशीष मखीजा डायरेक्ट करेंगे जिन्होंने मनोज बाजपेयी की भोंसले और जोरम भी बनाई है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए कनिका ने कहा- बाघिन के बच्चे के साथ खिलवाड़ मत करो, क्योंकि वह तुम्हें नष्ट कर देगी! तापसी और मैं पहली बार एक रॉ-एक्शन थ्रिलर के लिए एक साथ आ रहे हैं! और हम बदले इस शक्तिशाली कहानी को लाने के लिए एक्साइटेड हैं।

30 दिन तक लगातार खाली पेट खाएं केला

रोज केला खाने खाने से पेट और शरीर से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक हर रोज 1 केला जरूर खाना चाहिए। इससे शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं। फलों का राजा भले ही आम होता है लेकिन केला खाने के भी कई सारे फायदे होते हैं। केला किसी से भी कम नहीं है। स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में यह शानदार फल है। एनर्जी से भरपूर और दाम में किफायती केला की यही खासियत उसे दूसरे फलों से अलग करती है। रोजाना केला खाने से शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक रोजाना कम से कम एक केला जरूर खाना चाहिए। केला में विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है, यही कारण है कि केला में भरपूर गुण होते हैं।

दूर हो जाएगी कई सारी खतरनाक बीमारियां

केले में होते हैं कई सारे पोषक तत्व

केले में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी6, पोटैशियम, सोडियम, आयरन और कई दूसरे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। केला में हाई कैलोरी होती है। इसे खाने से आप पूरे दिन एनर्जेटिक महसूस करते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, मैग्नीशियम, कॉपर जैसे कई सारे पोषक तत्व होते हैं।

हर रोज 1 केला खाने के फायदे

केला खाने से पाचन में सुधार होता है। इसलिए रोजाना 1-2 केले खाना चाहिए। इससे पेट और पाचन में सुधार होता है। केला में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इसे खाने से कब्ज से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती है।

हाई बीपी: केला में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। रोजाना 1-2 केला खाते हैं। इससे बीपी कंट्रोल में रहता है। केला खाने से बीपी कंट्रोल में रहता है।

केला खाने से किडनी को भी काफी ज्यादा फायदा होता है। रोजाना केला खाने से किडनी स्वास्थ्य रहता है। केला में भरपूर मात्रा में पोटैशियम होता है। इससे किडनी का फंक्शन भी अच्छा होता है। 1-2 केला रोजाना खाने से किडनी हेल्दी होता है।

केला में कई सारे पोषक तत्व होते हैं। केला खाने से शरीर स्वस्थ और ताकतवर होता है। इससे इम्युनिटी मजबूत होता है। केला में विटामिन सी, ए और फोलेट पाया जाता है। इसे खाने से इम्युनिटी मजबूत होता है।

केला खाने से हड्डी मजबूत होता है। इसलिए इसे खाने में शामिल करें। केला खाने से शरीर को भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम और कैल्शियम मिलता है। इससे बोन हेल्थ काफी अच्छा होता है। अगर आप दूध के साथ केला खाते हैं तो काफी ज्यादा फायदा होता है।

आरजे महवश डिजिटल डेब्यू को तैयार, अमेज़न मिनी टीवी सीरीज़ में लीड रोल में आएंगी नज़र

वायरल सोशल मीडिया कंटेंट के लिए जानी जाने वाली महवश जल्द ही अपनी पहली वेब सीरीज़ में लीड एक्ट्रेस के रूप में नज़र आएंगी। वह मिहिर आहूजा के साथ यश पटनायक के एक नए प्रोजेक्ट में अभिनय करेंगी, जिसे अमेज़न मिनी टीवी पर देखा जा सकेगा।

इंस्पायर फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस इस अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट से डिजिटल दुनिया में एक रोमांचक एडिशन की उम्मीद है। महवश, जिन्होंने अपने मज़ेदार और भरोसेमंद कंटेंट के ज़रिए अपने दर्शकों से अच्छी तरह से कनेक्शन बनाया है, अब वह एंटरटेनमेंट के एक नए क्षेत्र में कदम रख रही हैं। उनके फैंस इसे लेकर काफ़ी उत्साहित हैं।

सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा करते हुए महवश ने एक पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा है:

जैसे ही महवश ने पोस्ट किया, उनके कमेंट सेक्शन में उनके फैंस और इंडस्ट्री की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स आने शुरू हो गए। सोनू सूद ने ताली बजाने वाली इमोजी के साथ कमेंट किया, जबकि युजवेंद्र चहल ने कंग्रेटुलेशन कमेंट कर लिखा।

महवश का करियर पाथ बहुत इंप्रेसिव रहा है। उन्होंने रेडियो जॉकी के रूप में अपनी शुरुआत की और जल्द ही एक सफल कंटेंट क्रिएटर बन गईं, अपने ह्यूमर और रिलेटेबल कंटेंट से फैंस को अपना दीवाना बना लिया।

महवश अपनी ऑन-स्क्रीन टैलेंट्स के साथ-साथ एक प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी पहचान बना रही हैं, और इस भूमिका में कदम रखने वाली क्रिएटर कम्युनिटी की पहली महिला बन गई हैं। उनके प्रोडक्शन वेंचर्स, जैसे नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ आने वाला प्रोजेक्ट 'सेक्शन 108', उनकी कहानियों को जीवंत करने की महत्वाकांक्षा और समर्पण को दर्शाते हैं। इस नए वेंचर के साथ महवश अपनी सफलता की एक और मंजिल चढ़ने के लिए तैयार है और इस तरह से एक और उपलब्धि अपने नाम कर रही हैं।

आज तलवार की नोक पर रवि करेंगे आखरी फैसला

शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के 30 सिनेमाघरों में छत्तीसगढ़ी फिल्म आखरी फैसला रिलीज हो रही। तलवार की नोंक पर फिल्म के अभिनेता रवि साहू आखिरी फैसला करेंगे। रवि साहू के अलावा इसमें अभिनेत्री दीक्षा जायसवाल, सोनाली सहारे, गणपति देवांगन, प्रदीप शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। श्रद्धा सिनेमा प्रोडक्शन एवं भाई-भाई फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी आखिरी फैसला के निर्माता यामिनी गणपति देवांगन और डीके देवांगन जबकि निर्देशक आदिश कश्यप हैं। गानों को अनुराग शर्मा, सुनील सोनी, ओम परमानंद वैष्णव, अनुपमा मिश्रा, कंचन जोशी और सुनीता वस्त्रकार ने स्वर दिया है। इस फिल्म में बॉलीवुड फिल्म तिरंगा के गेंडा स्वामी भी नजर आएंगे जो जिसे फिल्म का मुख्य आकर्षण बताया जा रहा है। शुक्रवार से रायपुर के प्रभात टॉकिज, पी व्ही आर सिटी सेंटर, पी व्ही आर मेग्नेटो, आईनोक्स 36, आईनोक्स अम्बुजा, कलर्स सिनेमा, मिराज सिनेमा, भिलाई - चंद्रा टॉकिज, सुर्या माल, के सेरा सेरा दुर्ग, पी वी आर - बिलासपुर व शिव टॉकिज, कोरबा - निहारिका, चित्रा सिनेप्लेक्स, मेट्रो सिनेमा - जांजगीर, मुकुन्द मल्टीप्लेक्स व पद्मिनी सिनेप्लेक्स - चांपा, रायगढ़ - गोपी टॉकिज, ग्रैंड मॉल, श्री महल - भटगांव, आब सिनेमा- बिरा, बालाजी - कसडोल, देवश्री टॉकिज - धमतरी, माँ भुवनेश्वरी- कवर्धा, सिनेवर्ल्ड मल्टीप्लेक्स- कांकेर, डी एल मल्टीप्लेक्स- अकलतरा, सिटीप्लेक्स - भाटापारा, रामा मेट्रो- शिवरीनरारायण व मुरली मेट्रो- कटघोरा में रिलीज होगी।

विधायक बोहरा ने महिलाओं के साथ मनाया तीज मिलन समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं ने की भागीदारी

तीजा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा व नारी शक्ति का प्रतीक : भावना बोहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा बुधवार को सामुदायिक भवन, पंडरिया में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की 1500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम में महिलाओं के मनोरंजन हेतु सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विधायक भावना बोहरा ने प्रतियोगिता में विजयी महिलाओं को सम्मानित कर तीज पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी, वहीं उनके साथबड़े ही उत्साहव व विभिन्न गतिविधयों के साथ उत्सव को मनाया।

कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आने वाले समूह को 11,000 रुपए, द्वितीय स्थान को 5,100 रुपए, तृतीय स्थान को 2,100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इसी तरह एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान को 5,100 रुपए, द्वितीय स्थान को 2,100 रुपए, तृतीय स्थान को 1,100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में तीज क्विन की विजेता एवं उपविजेता को भी ट्रॉफी से भावना बोहरा ने सम्मानित कर बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि यह बहुत खुशहाली का अवसर है। तीजा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति,परंपरा एवं नारी शक्ति के प्रतीक पर्व के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। तीजा में सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु जीवन की कामना लेकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि जारी कर रही है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि तीज-त्यौहारों की परंपरा काफी समृद्ध है। यहां की महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेत-खलिहानों में काम करके देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की महिलाओं में तेजी से शिक्षा और साक्षरता का प्रसार हुआ है। तीज का व्रत संकल्प शक्ति और अखंड सौभाग्य की कामना का प्रतीक पर्व है। यह पर्व उन सभी माताओं-बहनों की शक्ति को भी दर्शाता है कि वे एक पत्नी के रूप में अपने पति की दीर्घायु की लिए इतनी कठिन निर्जला व्रत रखतीं हैं। यह एक प्रकार से महिलाओं की सहनशीलता, समर्पण और हमारी संस्कृति एवं सभ्यता के साथ ही धार्मिक आस्था को भी यथार्थ करती है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं है बल्कि आप सभी नारी शक्तियों के सामाजिक,धार्मिक और एक पत्नी,बेटी व माँ के रूप में आपकी भूमिका के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का हमारा प्रयास है। आज केंद्र व छत्तीसगढ़ की सरकार भी महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उनकी शिक्षा,स्वास्थ्य,सुरक्षा और सशक्तिकरण के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में अतुलनीय कार्य कर रही है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रामलीला मैदान में अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ के रामलीला मैदान में अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने महाराज चक्रधर सिंह और भगवान हनुमान जी के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। वित्तमंत्री चौधरी ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर बेहतर खेल प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी।

वित्तमंत्री चौधरी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आप सभी 39वें चक्रधर समारोह में सम्मिलित हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस वर्ष भव्य रूप से चक्रधर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर देश भर से आए कुल 275 रेसलर्स के बीच कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। उन्होंने कुश्ती प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन व कुश्ती संघ को बधाई दिया। श्री चौधरी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बड़े स्तर पर जिले में वैभवशाली ढंग से मनाया जा रहा है, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने इस अवसर पर विधायक निधि से कुश्ती मेट देने की घोषणा भी की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुश्ती को जिले में विकसित करने के लिए कार्य योजना बनाई जा रही हैं। जिससे रेसलर्स को कुश्ती के क्षेत्र में आगे बढने् का अवसर मिलेगा।
वित्तमंत्री श्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर दिल्ली से आए इंटरनेशनल रेफरी अजीत मान एवं हरियाणा के यशवीर सिंह ढाका को गदा प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रायगढ़ कलेक्टर कार्तिकेय गोयल, कुश्ती संघ के दिनेश जायसवाल, राजानंद यादव, श्याम सिंह सोनी, रमन यादव, सुश्री भाविका पाण्डेय, श्री मनोज साहू एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

हरित हाइड्रोजन पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया 2024' में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 11 से 13 सितंबर 2024 को आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में, हरदीप पुरी, मंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, प्रोफेसर अजय सूद, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, सचिव, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, डायरेक्टर जर्नल डीएसआईआर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया, उक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देदश्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात के लिये एक वैश्विक केन्द्र के रूप में विकसित करना है। इस महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व सुमित सरकार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन पर अपना अभिमत एवं इस दिशा में किये जा रहे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रस्तुतीकरण देते हुये अपरम्परागत् ऊर्जा के क्षेत्र में जैव ईंधन के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन के प्रोत्साहन की दिशा में किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। साथ ही यह भी अवगत कराया कि राज्य के पूरे ग्रामीण परिदृश्य में बायोमास जैसे कि कृषि अपशिष्ट, डेयरी उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट, फल एवं सब्जी बाजारों के अपशिष्ट, गोबर की बहुतायत है, जिसका उपयुक्त तकनीक से प्रसंस्करण कर वृहद पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की अपार संभावनायें हैं। यह प्रयास सफल होने पर राज्य में संचालित वृहद स्टील उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों, फर्टीलाईजर इकाई में ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग इन्डस्ट्रीयल एप्लीकेशन के रूप में किया जाएगा।

स्वाईन फ्लू और डेंगू से बचाव के लिए राज्य शासन उठाए कड़े कदम : रघु ठाकुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर अल्प प्रवास पर दुर्ग जिले के दौरे पर आए। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि छग में स्वाईन फ्लू एवं डेंगू के फैलने के काफी समाचार आ रहे है। मीडिया में मैं भी इस आशय की खबर आ रही है।

पीड़ितों की संख्या अनुमान से काफी अधिक हो सकती है क्योंकि ग्रामीण अंचलों में या आदिवासी अंचलों में बीमारी की कोई प्रमाणिक सूचना नही आ पाती। पार्टी की राय है कि छग शासन को एक (स्वस्थ रहो अभियान) की शुरूवात करनी चाहिए तथा यह प्रयास करना चाहिए कि हर गांव में सरकार की विभिन्न रोगों की जांच के यंत्रों सहित एंबुलेंस पहुंचाई जाएं ताकि जांच हो सके और वहीं मौके पर लोगों को दवा मिल सके। वरना बीमारी कालान्तर में महामारी में तब्दील हो सकती है।

छग के आसपास निरंतर बढ़ रहे अपराधों से आमजनता जिससे भयभीत हो रही है। हर क्षेत्र में हालत बिगड़ रही है। कोई सभ्य भला व्यक्ति सड़क पर नही निकलना चाहता । छग का ग्रामीण अंचल जो शांत और अपराध मुक्त था अब कई प्रकार के नशों से ग्रस्त हो गया है। और इसलिए छ ग अपराध का गढ़ बनता जा रहा है। मैं छग सरकार से मांग करूंगा कि संपूर्ण नशाबंदी था शराब गांजा वअन्य सभी प्रकार के नशों पर पूर्ण प्रतिबंध लगायें।

छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा जो महाराष्ट्र के सिंधु दुर्ग जिले में लगी थी बारिश और हवा से गिर गई। प्रधानमंत्री जी ने पालघर की सभा में हाथ जोड़ कर माफी मांगी उनका माफी मांगना राजनीतिक लाभ प्रद हो सकता है,परंतु महत्वपूर्ण पक्ष यह नही है। महत्पूर्ण पक्ष है की जांच कराई जाए की प्रतिमा जिसने बनाई थी, उन पर क्या कार्रवाई हुई। मुश्किल से दो माह पहले इस प्रतिमा का अनावरण किया गया था। अगर प्रधानमंत्री जी शुरू किए गए काम में वह भी महाराष्ट्र और संबंधित शिवाजी की प्रतिमा के काम में भ्रष्टाचार हो सकता है तो फिर देश में कौन बचेगा। प्रधानमंत्री से अपील है कि प्रतिमा निर्माण करने वाले लोगों को गिरफ्तार कराए ।ऐसी ही घटना एक वर्ष पूर्व उज्जैन मध्यप्रदेश में सिहस्थ मेले में हुई थी,जहां अनेकों ऋषियों प्रतिमाएं गिर गई थी ।
यह कितना विचित्र संयोग है कि बिहार में पुल गिर रहे है। मप्र और महाराष्ट्र में प्रतिमा गिर रही है।

श्री ठाकुर ने लोक्तांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से श्री ताम्रध्वज साहू कांग्रेस नेता की पत्नी एवं भाजपा नेत्री सुश्री सरोज पाण्डेय के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया। उक्त चर्चा के दौरान प्रदेश लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अशोक पंडा, महासचिव श्याम मनोहर सिंह, डॉ. शिंदे सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

डेनेक्स की महिलाओं का उद्यमिता कौशल

दंतेवाड़ा। डेनेक्स'' का मुख्य उद्देश्य दंतेवाड़ा जिले की महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना एवं उन्हे आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अलावा ''डेनेक्स'' बाहर की कंपनियों के साथ एमओयू साझा करके काम कर रही है, जिससे जिले की महिलाओं को नियमित रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। साथ ही साथ ''डेनेक्स'' गारमेन्ट फैक्ट्री के द्वारा जिले के शालाओं एवं अन्य विभागों से प्राप्त ऑर्डर का काम भी किया जाता है। इस क्रम में ''डेनेक्स'' को आस्था विद्या मंदिर, जावंगा, के द्वारा शालाओं में अध्ययनरत 1 से 12वीं तक के कुल 1190 छात्र-छात्राओं हेतु शालेय गणवेश सिलाई का कार्य दिया गया था। जिसे ''डेनेक्स'' की महिलाओं के द्वारा सिलाई कर आर्डर पूर्ण किया गया। शालेय गणवेश 23 अगस्त को प्राचार्य आस्था विद्या मंदिर जावंगा को उपलब्ध कराया जा चुका है।

असाक्षरों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले मोबाईल के उपयोग को भी बताएं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आज यहां कलेक्टोरेट सभाकक्ष में उल्लास नवभारत साक्षरता सप्ताह के समापन अवसर पर स्वयंसेवी शिक्षक एवं असाक्षरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि जीवन में साक्षरता का विशेष महत्व है।

उल्लास कार्यक्रम के तहत जिन लोगों को अक्षर ज्ञान नहीं है, उन्हें साक्षर करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यादान सबसे बड़ा दान है, असाक्षरों को साक्षर बनाने में स्वयंसेवी शिक्षक आगे आकर अपनी महत्पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसके लिए उन्होंने स्वयंसेवी शिक्षकों को विशेष रूप से बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि अक्षर ज्ञान नहीं होने का व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाईयां आती हैं और कई बार उसके दैनिक जीवन को आर्थिक एवं अन्य दृष्टिकोण से सुलभ और सुचारू बनाने में बाधा भी आती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बहुत से कार्य ऐसे है, जो मोबाईल के जरिए संपादित होते है, इसके लिए साक्षर होना आवश्यक है। साथ ही किसी भी प्रकार के आर्थिक लेन-देन में होने वाली धोखा-धड़ी से बचा जा सकता है। इसके लिए स्वयंसेवी शिक्षक असाक्षरों को अक्षर ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें दैनिक जीवन में मोबाईल के उपयोग को समझाएं और प्रशिक्षित भी करें, जो उनके दैनिक जीवन से जुड़े हुए है। उन्होंने इस कार्य को विशेष रूप से अभियान के रूप में संपादित करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले के असाक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके लिए स्वयंसेवी शिक्षक जीवन को सुचारू और कुशल बनाने के लिए असाक्षर लोगों को व्यवहार में बदलाव लाना आवश्यक है। साक्षरता बढने् पर वे अपने कार्यों को ठीक ढंग से कर सकेंगे। साथ ही अक्षर ज्ञान के साथ उन्हें बेसिक फाईनेंसियल स्कील को भी बढ़ाने में भी मदद करें। परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन श्रीमती रश्मि सिंह ने बताया कि जिले में 40 हजार असाक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, इसके विरूद्ध 42 हजार 495 असाक्षरों का पंजीयन किया गया है। इन्हें साक्षर बनाने के लिए 4415 वालिंटियर्स द्वारा साक्षर बनाया जाएगा। इसके लिए 200 साक्षरता केन्द्र स्थापित किए गए हैं, शेष साक्षरता केन्द्र भी शीघ्र स्थापित कर लिए जाएंगे। इन असाक्षरों की आगामी मार्च में परीक्षा आयोजित की जाएगी और उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य असाक्षरों के जीवन कौशल को बढ़ाना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने साक्षरता की शपथ भी ली।

पीएम जनमन योजना : बेहतर क्रियान्वयन व हितग्राहियों के सतत् मॉनिटरिंग करने प्रोग्रेस मॉनिटरिंग कार्ड का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में नवाचारी पहल अंतर्गत पीएम जनमन योजना के बेहतर क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों के सतत मॉनिटरिंग हेतु आदिवासी विकास विभाग द्वारा कमार परिवारों को प्रोग्रेस मॉनिटरिंग कार्ड का वितरण किया गया।

उक्त प्रोग्रेस मॉनिटरिंग कार्ड का वितरण कसडोल विकासखंड के ग्राम बल्दाकछार एवं अवराई में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार निवासरत 46 परिवारों को आज किया गया है। प्रोग्रेस मॉनिटरिंग कार्ड के जरिए सीधे प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,सौभाग्य योजना (प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना), शिक्षा के लिए हॉस्टल आवासीय शिक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मोबाइल मेडिकल यूनिट,प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, वनधन विकास केंद्र, दूर दराज गांव तक मोबाइल नेटवर्क सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि,प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री पोषण योजना (मिड-डे मील), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, राष्ट्रीय सिकलसेल नियंत्रण कार्यक्रम, टीकाकरण अभियान,टीबी उन्मूलन राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, मिड डे मिल (मध्यान भोजन) प्रधानमंत्री पोषण योजना (मिड-डे मील), पीएम जनधन योजना प्रधानमंत्री जनधन योजना, नोनी समृद्धि योजना,आधार कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसे योजना अन्य से लाभांवित होने के संबध में सीधे जानकारी प्राप्त होगी। कार्ड मिलने पर कमार परिवारों के सदस्यों ने बड़े ही प्रसन्न होकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवोदय विद्यालय कोरबा में खिलौना बनाने की कार्यशाला का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के स्थानीय पीएम स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा के प्राचार्या शांति मोहंती के निर्देशन में विद्यालय के एटीएल लैब में 10 अगस्त से 9 सितंबर तक एक माह की स्वदेशी खिलौने बनाने की कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें प्रशिक्षक के रूप में बालोद जिले की निशा गोयल, कोरबा निवासी व भूतपूर्व छात्र इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के राम गोपाल कंवर एवं विद्यालय के कला शिक्षक महाबलि पोर्ते ने विद्यालय के कुल 98 विद्यार्थियों को स्वदेशी खिलौने बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों ने विशेष रुचि लेकर मिट्टी व प्लास्टर ऑफ पेरिस के खिलौने, कपड़े से कठपुतली बनाना, सॉफ्ट टॉय, पेपर टॉय आदि बनाने की तकनीक सीखी और आकर्षक खिलौनों का निर्माण किया।
विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार चौरसिया ने बताया की 9 सितंबर को इस कार्यशाला का समापन समारोह में मुख्य अतिथि हेमंत माहुलीकर ने बच्चों को स्व के अर्थ को समझाते हुए स्वयं, स्वराज, स्वतंत्र और स्वदेशी के बारे में रोचक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए स्वदेशी खिलौनों की खूब सराहना की। कला शिक्षक पोर्ते ने बताया की ये सभी बनाए हुए खिलौने नवंबर 2024 में उड़ीसा के जवाहर नवोदय विद्यालय संबलपुर में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

जीजा को नंगा कर साले ने बेरहमी से पीटा, वीडियो बनाया; प्राइवेट पार्ट जलाने की कोशिश, चार गिरफ्तार

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में एक साले ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जीजा की बेरहमी से पिटाई कर दी है, जिससे उसे काफी चोटें आई है। पीड़ित जीजा को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रैफर कर दिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना कवर्धा के नाउडीह गांव का है।आरोपी साला विश्वामित्र वर्मा और उसके चार दोस्तों ने जीजा धर्मराज वर्मा को कमरे में बंद कर बेल्ट और पाइप से गंभीर चोट पहुंचाया।

मारपीट का खबर लगते ही गांव वालों ने युवक को उसके साले के चंगुल से छुड़ाया और मारपीट करने वाले लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पीड़ित धर्मराज वर्मा का आरोप है पारिवारिक विवाद के चलते उसका साला चार गुंडों के साथ मिलकर उसके घर घुसा और कमरे में बंद कर नंगे कर बेरहमी से पीटा। साथ ही मारपीट का वीडियो भी बनाया है। इतना ही नहीं युवक के प्राइवेट पार्ट को जलाने की भी कोशिश की। पीड़ित का कहना है। उसका ससुर विश्व हिन्दू परिषद का प्रदेश अध्यक्ष है, जिनके दम पर उनका साला गुंडागर्दी करता है और इसी के दम पर मारपीट किया है।फिलहाल पुलिस ने मारपीट करने वाले सभी युवकों को गिरफ्तार जार किया है और मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने बताया इस मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है। प्रथम दृष्ट्या पारिवारिक विवाद के कारण ये घटना होने के शंका है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

फॉर्म हाउस में खेल रहे बच्चे का सांप पर पड़ा पैर, काटने से हुई मौत

कोरबा। उरगा थाना अंतर्गत पंडरीपानी गांव में सूरज बाई फॉर्म हाउस में अपने चार बच्चों के साथ निवास करती हैं। उसका सबसे छोटा बेटा रुपेंद्र यादव उद्यान में खेल रहा था। इसी दौरान सांप ने उसे काट लिया। आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि सूरज बाई का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। बच्चों का पालन पोषण करने उसने फॉर्म हाउस में मजदूरी करना शुरू किया, जहां चार बच्चों को साथ लेकर रहती है। बुधवार की दोपहर वो फॉर्म हाउस पर काम कर रही थी। तीन बच्चे स्कूल गए हुए थे। एक सबसे छोटा रूपेंद्र यादव घर पर खेल रहा था। इस दौरान अचानक सांप पर उसका पैर पड़ गया और उसने डस लिया। इसके बाद तत्काल उसे जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिले मेमो के बाद परिजनों का बयान दर्ज किया गया है। सांप के द्वारा डसने की बात कही गई है। वहीं, डसने के बाद सांप फॉर्म हाउस के अंदर स्टोर रूम में कुंडली मार बैठा हुआ था। स्नेक कैचर जितेंद्र सारथी ने उसे पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा।

सुकमा पुलिस की सफलता: दो लाख की इनामी महिला सहित तीन नक्सलियों ने किया सरेंडर

छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति व नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा पुलिस को एक बार फिर से बड़ी कामयाबी मिली है। जिले में सक्रिय दो महिला नक्सली सहित कुल तीन नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया है। शासन द्वारा एक महिला नक्सली पर पद के अनुरूप दो लाख रुपये का इनाम भी घोषित है। मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में थाना चिंतलनार पुलिस, डीआरजी डेल्टा एवं 151, 241 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा की विशेष प्रयास रहा है।

सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चलाये जा रहे छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने की उद्देश्य से नक्सली संगठन में सक्रिय दो महिला सहित तीन नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

इन तीन नक्सलियों ने किया सरेंडर

सरेंडर करने वालों में मारी वेको जोगी उर्फ संगीता पिता हिड़मा (किस्टाराम एरिया पार्टी सदस्या, इनामी दो लाख) उम्र लगभग 20 वर्ष जाति मुरिया निवासी छोटेकेडवाल पोड़ियापारा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा। कुंजाम राजे पति कुंजाम सीताराम (दुलेड आरपीसी केएमएस उपाध्यक्ष) उम्र लगभग 35 वर्ष जाति दोरला निवासी दुलेड पटेलापारा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा। देवा उर्फ पोरते देवा पिता देवा मुचाकी (गोण्डेरास पंचायत कृषि शाखा अध्यक्ष) उम्र लगभग 31 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोण्डेरास नेडुमपारा थाना केरलापाल जिला सुकमा शामिल हैं। महिला नक्सली कुमारी वेको जोगी उर्फ संगीता पिता हिड़मा (किस्टाराम एरिया पार्टी सदस्या, इनामी दो लाख) निवासी छोटेकेडवाल पोड़ियापारा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा वर्ष 2012 से 2015 तक ग्राम छोटेकेडवाल बाल संघम सदस्या थी। वर्ष 2016 से 2019 तक संगठन छोडकर घर में निवासरत थी। वर्ष 2020 माह मई से 2020 माह नवम्बर तक प्लाटून नंबर 08 की दल सदस्या। वर्ष 2020 माह दिसम्बर से 2021 माह मार्च तक किस्टाराम एरिया (वर्तमान में वर्ष 2024 में सरेण्डर डीव्हीसीएम कलमू प्रकाश के लिये खाना बनाने की कार्य) पार्टी सदस्या । वर्ष 2021 माह अप्रैल से 2022 माह मई तक दक्षिण बस्तर सब जोनल पोलित ब्यूरो डीकेएसजेडसीएम सुजातक्का की सुरक्षा गार्ड पार्टी सदस्य थी।

मानवता के लिए मिसाल बने जवान: सुकमा में महिला को पैदल लेकर तीन किमी चले, फिर एंबुलेंस तक पहुंचाया

सुकमा। सुकमा जिले में लगातार हो रही बारिश से जहां लोगों का बुरा हाल है। वहीं नदी-नाले उफान पर है। आवागमन प्रभावित है। वहीं इन सब के बीच सीआरपीएफ के जवानों ने मानवता का परिचय देते हुए एक बीमा आदिवासी महिला को चारपाई से कंधे में उठाकर तीन किलोमीटर तक पैदल चलने के बाद एंबुलेंस तक पहुंचे।

जिसके बाद महिला की जान बचाई जा सकी। यह मामला सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित पेंटा पाड़ गांव का है। जहां एक बीमार महिला को इलाज के लिए सुकमा जिला मुख्यालय लाया जाना था। लेकिन रास्ता खराब होने और नाला लबालब होने की वजह से एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई।

जिस वजह से ग्रामीण बीमार महिला को चारपाई की मदद से लाने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान सर्चिंग ऑपरेशन पर निकले सीआरपीएफ के 50 वीं बटालियन के जवानों ने इन ग्रामीणो से जानकारी ली और जवानों ने अपने कंधे में लड़कर तीन किलोमीटर तक पैदल एंबुलेंस तक सफर तय किया और एंबुलेंस के जरिए बीमार महिला को सुकमा जिला अस्पताल लाया जा सका। महिला की जान बचाई जा सकी। इसके लिए ग्रामीणों ने

सीआरपीएफ के जवानों का आभार व्यक्त किया है।

नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से नहीं बन पाई सड़क

गौरतलब है कि पिछले दो दशकों से इलाके में नक्सलियों का खास प्रभाव होने की वजह से उसे इलाके में आज तक सड़क निर्माण नहीं हो पाया है। सरकारें आती रही और जाती रही। लेकिन हालात वही रहे क्योंकि इलाका अब तक नक्सली मुक्त नहीं हुआ है। इस वजह से यहां निविदा आमंत्रित किए जाने के बावजूद कोई भी ठेकेदार काम में रुचि नहीं लेता और हालात जस के तस रहते हैं। फिलहाल, इलाके में सुरक्षा कैंपों की स्थापना हो रही है। सुरक्षा के आधार पर आने वाले दिनों में इन इलाकों को सड़कों से जोड़ने की संभावना जताई जा रही है।

भिलाई में 50 हजार के गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। टाउनशिप एरिया में मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले आरोपी को भिलाई नगर पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 5 किग्रा गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी रिजवान खान के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, पिछले शुक्रवार को खुर्सीपार थाना अंतर्गत पकड़े गए आरोपियों के बैंक पुलिस ने सीज कर दिए।

मामले का खुलासा करते हुए एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि जिला पुलिस का नशे के खिलाफ संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत थाना क्षेत्रों में नशे के कारोबारियों की धरपकड़ की जा रही है। सीएसपी

भिलाई नगर ने बताया कि जेल से छूटने वाले और पूर्व के आदतन नशे के कारोबारियों पर विशेष निगाह रखी जा रही है। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-7 सेक्टर 01 में छत्तीसगढ़ ग्रंथालय के पास एक व्यक्ति अपने पास रखे गांजे को बेचने के ग्राहकों तलाश कर रहा है। इस पर टीम तुरंत आरोपी को पकड़ने मौके पर पहुंची, जहां मुखबिर के बताए हुलिए वाला एक संदिग्ध नजर आया. घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया गया. पूछताछ में उसने अपना नाम रिजवान खान बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से करीब 50 हजार कीमत का 5 किग्रा गांजा बरामद हुआ।

गांजा सप्लायर से लेकर विक्रेता तक कुल 5 आरोपियों के खाते फ्रीज इधर, 6 सितंबर को खुर्सीपार थाना पुलिस ने 4 आरोपियों के कब्जे से 45 किग्रा गांजा पकड़े जाने का खुलासा किया। उस दौरान पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर गांजा सप्लाई की फॉर्वर्ड लिंक और बैकवर्ड लिंक तक पहुंची। आईजी राम गोपाल गर्ग ने उनके बैंक खाते को सीज करने की घोषणा की थी। बुधवार को पुलिस ने खुर्सीपार से पकड़े गए आरोपी पिन्तू कुमार साहनी, अजय साहनी, एबी. साहनी और अजय प्रसाद का बैंक खातों की सीज कर दिया गया। इसके अलावा सारंगढ़ जिले के डोंगरीपाली थाने में पकड़े गए आरोपी बबलू उर्फ बबूला बारिक का भी एसबीआई बैंक खाते को भी फ्रीज कर दिया गया है।

जंगल में सिर से अलग धड़ मिलने पर मची सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के श्रीनदी से सटे हुए जंगल में लाश की सूचना के बाद मौके पर हचलच मच गयी। लाश की स्थिति को देखकर नृशंस हत्या की आशंका जताई जा रही है।इलाके के एक व्यक्ति ने लाश को देखा उसके बाद खबर आग की तरह फैल गयी और घटनास्थल पर भारी भीड जमा हो गयी। क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोर्स्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की तफ्तीश में जुट गयी है,शव की शिनाख्त का प्रयास भी किया जा रहा है। इस

मामले में पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया है। कुनकुरी थाना प्रभारी सुनील सिंह ने कहा प्रारंभिक जांच में हत्या का मामला नजर आ रहा है घटना गंभीर है, हम मामले की पूरी जांच कर रहे हैं। जल्द ही इस पर स्थिति साफ हो जाएगी।

दुर्ग में पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या: चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के मिलपारा इलाके का है। पुलिस ने बताया कि, मोनू श्रीवास्तव और सोनू श्रीवास्तव गजपारा से लगे मिलपारा में रहते हैं। शंकर यादव (27) कंवर पारा गंजपारा वार्ड क्रमांक 37 में रहता था। दोनों के बीच पुराना विवाद चल रहा था।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार की रात दोनों के बीच किसी पुरानी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि, मोनू श्रीवास्तव ने अपने भाई सोनू के साथ मिलकर शंकर यादव पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे शंकर के पेट, सीना और अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग निकले। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और परिजनों ने शंकर यादव को दुर्ग जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मोनू श्रीवास्तव और सोनू श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

शंकर यादव की बहन गंगा यादव ने थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि रक्षाबंधन के दिन दोनों आरोपियों ने उसके भाई शंकर यादव के साथ मारपीट कर विवाद किया था। उस समय मामला शांत हो गया था, लेकिन वो दोनों उस घटना के चलते रंजिश पाल कर रखे थे। उसने बताया कि, 10 सितंबर को शंकर खाना खाकर घर के पास टहल रहा था। रात लगभग 10:50 बजे उसके चिल्लाने की आवाज आई तो उसकी बहन ने छत से देखी कि उसके भाई शंकर का मोहल्ले का मोनू श्रीवास्तव और सोनू श्रीवास्तव के साथ झगड़ा हो रहा है। देखते ही देखते मोनू और सोनू ने चाकू लेकर शंकर को दौड़ा लिया। उन्होंने मोनू सेन के घर के पास शंकर को पकड़ लिया। इसके बाद चाकू से उसके शरीर पर लगातार कई वार किया। यह देख घर के लोग दौड़े तो आरोपी वहां से भाग निकले थे।

डंडे से पीट-पीट कर पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शराब के नशे में चूर एक पति ने मामूली बात को लेकर डंडे से पीट पीट कर अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए मामले को जांच में ले लिया है। मामला खरसिया क्षेत्र का है।

इस सम्बन्ध में मिली जानकारी के मुताबिक रायगढ़ जिले खरसिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बाम्हनपाली निवासी कुशल चौहान का बुधवार की शाम घरेलु काम को लेकर उसकी पत्नी बिमला चौहान के साथ विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों के बिच विवाद इस कदर बढ़ गया की कुशल चौहान ने घर में रखे डंडे से अपनी पत्नी के सर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे महिला के शरीर में गंभीर चोट लगने की वजह से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। डंडे से पीट-पीटकर महिला की हत्या मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई. जिसके बाद जैसे ही पुलिस को जानकारी हुए वह मौके पर पहुंची जिसके बाद आरोपी पति को गिरफ्तार करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है की एक पति ने मामूली बात को लेकर अपनी ही पत्नी की हत्या कर दी है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार करते हुए पूछताछ कर रही है की आखिरकार हत्या के कारानो का पता चल सके। संभवत: कल पुलिस इस मामले का खुलासा कर सकती है।

बालोद में शिक्षक की आत्महत्या मामले में तीन गिरफ्तार

■ मामले में पूर्व मंत्री मो अकबर की जमानत याचिका खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के डोंडी ब्लॉक के ग्राम ओडगांव के प्राथमिक शाला के हेडमास्टर देवेंद्र कुमार के आत्महत्या मामले में पुलिस अब एक्शन मोड पर है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं प्रदेश के पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर जिनके नाम का जिक्र सुसाइड नोट में था, उन्हें बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मोहम्मद अकबर ने बालोद न्यायालय के समक्ष अग्रिम जमानत याचिका दर्ज की थी। जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

न्यायालय ने साक्ष्य प्रभावित होने का हवाला देते हुए जमानत खारिज कर दी है। अब पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकती हुई नजर आ रही है। डौण्डी क्षेत्र के इस चर्चित मामले में पुलिस एक्शन मोड़ में है और बारीकी से जांच कर रही है।

प्रधान पाठक देवेंद्र ठाकुर के आत्महत्या मामले मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर को अपना मामा कहने वाले मदार खान उर्फ सलीम खान, प्रदीप ठाकुर को मंगलवार को गिरफ्तार किया। बुधवार को हरेंद्र नेताम को महाराष्ट्र के अमरावती से गिरफ्तार

किया है। इन तीनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

जावक क्रं. 175   // आम सूचना //   रिसाली दिनांक 11.09.24

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांर्गत अवैध कॉलोनियों का नगर पालिक निगम (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बंधन तथा शर्त) नियम 2013 के नियम 15(क) अंतर्गत 31 जुलाई 2019 तक अस्तित्व में आयी अनाधिकृत कॉलोनियों की नियमितीकरण किये जाने हेतु अभिन्यास तैयार किया गया है, जिस हेतु संबंधित क्षेत्र के भूस्वामी/निवासियों से उक्त स्थल के तैयार अभिन्यास में आपत्ति/सुझाव दिनांक 30.09.24 तक आमंत्रित किया जना है। उक्त प्रस्तावित कॉलोनियों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्रं.	स्थल/कॉलोनी का नाम	खसरा क्रं.	रकबा
01	सरस्वती कुंज पूर्व रिसाली	257/81	0.52 हेक्टेयर

उक्त निर्धारित अवधि के भीतर अपनी आपत्ति/सुझाव लिखित रूप से कार्यालय, नगर पालिक निगम रिसाली के कक्ष क्रं. 09 भवन अनुज्ञा शाखा में भवन निर्माण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उक्त निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
रिसाली

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
- ईश्तहार-
(रा0प्र0क0/202407100400257/अ-6.अ/वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग महोदय से प्राप्त रा.प्र.के. 202407100400257/अ-6 (अ) वर्ष 2023 24 आवेदिका साथी सेन ध.प. मानब सेन उम्र निवासी रामनगर कोहका भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कोहका, प.ह.नं. 45 स्थित भूमि खसरा नं. 921064 रकबा 00020 हे. जो कि आवेदिका के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज हैं जिसे पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया था किंतु ऑनलाईन में आवेदिका के पति का नाम त्रुटिपूर्ण रूप से संतोश सेन अभिलिखित होकर प्रदर्षित हो रहा है का लेख करते हुए पति का नाम पंजीकृत बैनामा के आधार पर सुधार कर रिकार्ड शुद्ध किये जाने बाबत् आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्र कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय के न्यायालय प्रस्तुत किया गया है, जो जांच हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24/09/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/09/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
- ईश्तहार -
(रा0प्र0क0/2024071004002258/अ-6.अ/वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग महोदय से प्राप्त रा.प्र.कं. 202407100400258/अ-6(अ) वर्ष 2023 24 आवेदक मानब सेन पिता स्व. संतोश सेन उम्र निवासी रामनगर कोहका भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कोहका, प.ह.नं. 45 स्थित भूमि खसरा नं. 7266/2 रकबा 0.040 हे. जो कि आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज हैं जिसे पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया था किंतु ऑनलाईन में आवेदक की त्रुटिपूर्ण रूप से पिछड़ वर्ग अभिलिखित होकर प्रदर्षित हो रहा है का लेख करते हुए सुधार कर सामान्य जाति कायस्थ दर्ज कर रिकार्ड शुद्ध किये जाने बाबत् आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय के न्यायालय प्रस्तुत किया गया है, जो जांच हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24/09/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/09/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए सीएम साय

एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से चुने गए अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित की गई एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री श्री साय को अध्यक्ष चुना गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए गौरव की बात है। आप लोगों ने सर्वसम्मति से मुझे छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना। इसके लिए आप सभी का हृदय से आभार। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एसोसिएशन के अनेक आयोजनों में मुझे शामिल होने का मौका मिला। राष्ट्रीय आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा के साथ भी मुझे आयोजनों में शामिल होने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि आर्चरी एसोसिएशन ने बड़ी कुशलता और परिश्रम से छत्तीसगढ़ के तीरंदाजों की प्रतिभा को तराशा जिससे हमारे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर सहित अनेक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मैं स्वयं इस एसोसिएशन जुड़ गया हूं, सभी के सहयोग और मार्गदर्शन में आर्चरी एसोसिएशन के कार्यों को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं जनजातीय बहुल जशपुर क्षेत्र से आता हूं।

बचपन में हम लोग भी तीर धनुष लेकर शिकार किया करते थे। आर्चरी हम सभी लोगों का विशेष रूप से जनजातियों का पसंदीदा खेल है। जशपुर जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा निवास करती है। ये लोग बड़े धनुर्धर होते हैं, प्राचीन काल में पहाड़ी कोरवा तीर धनुष से शिकार करते थे। आज भी उनके हर घर में तीन धनुष रहता है। श्री साय ने कहा कि इन लोगों की तीरंदाजी की नैसर्गिक प्रतिभा को तराशने के प्रयास किए जाने चाहिए। अभी प्रदेश में तीरंदाजी की तीन अकादमी हैं। जशपुर जिले में भी आर्चरी अकादमी का विस्तार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को तीन करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ी को दो करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को एक करोड़ रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। खेलों के विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा किया जाएगा। हमारे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी आर्चरी के क्षेत्र में प्रदेश का नाम रौशन करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, छत्तीसगढ़ बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिसोदिया सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी उपाध्यक्ष भारत मटियारा, रामलखन पैकरा, दीपेश अरोरा सहित अनेक पदाधिकारी, ऑब्जर्वर सर्वश्री अकरम खान, सुमंता चंद्र मोहंती, प्रवेश जोशी सदस्य गण, तीरंदाजी में पदक विजेता खिलाड़ी उपस्थित थे।

वन शहीदों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, स्मारक का अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित राजीव स्मृति वन पहुंचकर वन शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने वन शहीदों की स्मृति में वन शहीद स्मारक का अनावरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय सहित उपस्थित सभी ने दो मिनट मौन धारण कर वन शहीदों की शहादत को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि आज भावनाओं से भरा दिन है। हम उन वीर शहीदों का स्मरण कर रहे है जिन्होंने जंगलों, प्राकृतिक संसाधनों और वन्य जीवों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि वन शहीदों की शहादत हमें पर्यावरण संरक्षण की महत्ता और इसे संरक्षित करने हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है।

इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री, वनमंत्री और राजस्व मंत्री ने अपने पिता की स्मृति में पौधा रोपा। गौरतलब है कि वन शहीदों की स्मृति में आज राजधानी रायपुर के राजीव स्मृति वन में 20वां राष्ट्रीय वन शहीद दिवस का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, वन बल प्रमुख व्ही श्रीनिवास राव, अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश मिश्रा, चेयरमैन दिग्विजय सिंह सहित विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी और बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे।

निरंतर अभ्यास से ही मिलती है सफलता : चौधरी

वित्त मंत्री ने 11वीं एवं 12वीं के छात्रों को दी कैरियर मार्गदर्शन की सीख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जो व्यक्ति जीवन में जितने कठिन परिस्थितियों से गुजरता है और संघर्ष करता है, वह उतना ही ऊंची सफलता प्राप्त करता है। उक्त बातें वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने जीवन के अनुभव को साझा करते हुए जूट मिल हायर सेकेंडरी स्कूल के सभा कक्ष में छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी स्थानीय जूट मिल हायर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्र-छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन के संबंध में टिप्स दिए। उन्होंने अपने जीवन काल के दौरान शासकीय शाला से प्रारम्भ कर आईएएस बनने का सफर और संघर्ष कर सफलता पाने का अनुभव सुनाते हुए बच्चों को जीवन में हमेशा संघर्ष के लिए तैयार रहने और निरंतर प्रयास करने का सुझाव दिया। इस दौरान श्री चौधरी ने रायगढ़ जिले में वृहद नालंदा लाइब्रेरी की स्थापना, नवीन प्रयास विद्यालय खोलने के निर्णय और छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए प्रयास विद्यार्थी कोचिंग कक्षाएं शुरू करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ जिले के अंतर्गत वृहद नालंदा लाइब्रेरी की स्थापना, नवीन प्रयास विद्यालय खोलने के निर्णय और अन्य प्रयासों की चर्चा की। श्री चौधरी ने कक्षा आठवीं में पढने वाले सभी बच्चों के प्रयास विद्यालय में चयन हेतु कोचिंग कक्षा देने के लिए सीईओ जिला पंचायत को निर्देश दिए। इसके साथ ही वित्तमंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के लिए दूसरे प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईआईटी, नीट, क्लेट की तैयारी करने के लिए छात्रों के लिए कोचिंग कक्षाएं संचालन करने निर्देश दिये।

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विराट कोहली के उदाहरण से बच्चों को लक्ष्य पर अडिग रहने और अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिये निरतंर प्रयास जारी रखने की बात कही। उन्होंने जिले के सभी स्कूलों में कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम करने और विद्यार्थियों के लिए कैरियर मार्गदर्शिका पुस्तिका प्रदान करने का आश्वासन दिया ताकि बच्चों को सही कैरियर के चुनाव कर सके। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं के कैरियर मार्गदर्शन के लिए सुपर थर्टी के संचालक आनंद कुमार और मनोज कुमार जो बारहवीं फैल के ओरिजनल हीरो, जो कि एक आईपीएस अधिकारी हैं, को भी मार्गदर्शन देने के लिए रायगढ़ आमंत्रित करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर उन्होंने आज सभी बच्चों को करियर मार्गदर्शिका पुस्तक का वितरण किए।

कार्यक्रम के दौरान शाला में अध्ययन करने वाले कुमारी याना महिलाने 12 वी जीवविज्ञान और कुमारी यशोदा यादव कक्षा 11 वी कॉमर्स ने कैरियर निर्माण के दौरान आने वाले परेशानियों और उनसे निपटने का सवाल किया तो वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बेहतर तरीके से समझा कर उन्हें संतुष्ट किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बच्चों से भी सवाल किया उन्होंने आईआईएम का फुल फॉर्म पूछने पर कक्षा 11वीं के मोहम्मद अबू राशिद के द्वारा सही जवाब देने पर उसे 1000 रूपए देकर सम्मानित किया और सभी बच्चों को अपने कक्षा के विषयवस्तु के साथ समसामयिक घटनाओं का भी निरंतर अध्ययन करने की सलाह दिया।

शिक्षकों में सृजन व क्रांति दोनों के गुणः राजस्व मंत्री

जिले के 14 शिक्षक हुए शिक्षादूत पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजनांतर्गत बुधवार को बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में आयोजित शिक्षादूत पुरस्कार समारोह-2024 का आयोजन किया गया। इस समारोह में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 14 शिक्षकों को शिक्षादूत पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके साथ ही हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2024 में शतप्रतिशत परिणाम प्राप्त करने वाले 5 स्कूलों के प्राचार्य, 10 संकुल समन्वयक तथा नावाचारी कार्य हेतु 4 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि शिक्षकों में सृजन और क्रांति दोनों गुण विद्यमान होते हैं। वे अपने सृजन कौशल से नवाचार का प्रयोग कर बच्चों का भविष्य संवारते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले गांव में शिक्षक मुखिया की भूमिका निभाते थे। कोई भी धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन में उन्ही की जिम्मेदारी होती थी। आज शिक्षकों को उसी प्रकार अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए अपना मान-सम्मान बनाए रखना होगा।

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आज जिले के 33 शिक्षकों को सम्मानित किया गया हैं। ये सभी शिक्षक अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुए अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगें। शिक्षक देश के भविष्य संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज स्कूलों में साधन सुविधा की कमी नहीं है। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ सनम जांगड़े, पूर्व विधायक श्रीमती लक्ष्मी बघेल, नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुमन योगेश वर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अदिति बाघमार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विजय केशरवानी, कलेक्टर दीपक सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

स्वास्थ्यमंत्री ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंत्रालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा की है। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने सचिव स्तर के सभी अधिकारियों को और बेहतर कार्य करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीजीएमएससी एवं खाद्य एवं औषधि विभाग से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में श्री जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जनहित से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है और इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, विशेष सचिव चंदन कुमार, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा किरण कौशल समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पोषित कर रहा है पौष्टिक आहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लगभग 52 हजार आंगन बाड़ी केन्द्रों में महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उनके पोषण संबंधित देख-भाल के लिए समझाइश दी जा रही है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ को एनीमिया और कुपोषण मुक्त बनाने के लिए गांवों में महिला बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण रथ के माध्यम से जागरूकता लाई जा रही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के समस्त जनप्रतिनिधि, पंचायती राज संस्था प्रतिनिधि महिला स्व-सहायता समूहों, प्रबुद्ध वर्ग, विद्यार्थी वर्ग, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के निकायों के प्रतिनिधि एवं समस्त जनसमुदाय से अपील की है कि पोषण माह की गतिविधियों में पूरे उत्सह और ऊर्जा के साथ छत्तीसगढ़ को कुपोषण और एनीमिया मुक्त बनाने सहभागी बने। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप 1 से 30 सितम्बर तक संचालित किए जा रहे हैं पोषण माह के दौरान इस वर्ष एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाय हेतु तकनीक का प्रयोग और समग्र पोषण पर ध्यान केंदित किया जा रहा है।

सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी समूह बैठक में वजन त्यौहार के बारे में चर्चा की जा रही है। ग्रामीण महिलाओं से चर्चा के दौरान 0 से 06 साल के बच्चे, किशोरी बालिकाओं की खान-पान और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में बताया जा रहा है। महिला बाल विकास की योजना की जानकारी देने के साथ ही गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार भोजन में शामिल करने का आग्रह किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह के साथ ही 12 से 23 सितम्बर प्रदेश की आंगनबाड़ियों में वजन त्यौहार भी मनाया जाएगा। जिसके अंतर्गत बच्चों के वजन में बढ़ोत्तरी को मापने के साथ ही सामुदायिक जागरूकता का कार्य भी किया जाएगा। वजन त्यौहार के दौरान लिए गए बच्चों के वजन सहित अन्य विवरण को महिला और बाल विकास विभाग के मोबाइल ऐप पर दर्ज किया जाएगा। इसी तरह, पोषण माह के दौरान सुपोषण चौपाल, अन्नप्राशन दिवस, परिवार चौपाल, पोषण मेला, व्यंजन प्रदर्शन जैसे आयोजन पंचायत और शहरी क्षेत्रों में किए जा रहे हैं। पोषण के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों में नारा लेखन, निबंध, चित्रकला और दीवार लेखन, स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। साथ ही स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत ग्राम पंचायत के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्रों और शालाओं में पोषण वाटिका भी विकसित की जा रही है।

बख्शे नहीं जाएंगे वन्य तस्कर और माफिया - केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि राज्य में वन्य तस्करी, लकड़ी की अवैध कटाई और परिवहन में संलिप्त माफियाओं को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इन पर शिकंजा कसा जा रहा है। वनों की अवैध कटाई और लकड़ी के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरूद्ध संघन कार्रवाई का अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इसको प्रोत्साहित और संरक्षण देने वाले लोगों की भी पहचान कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई विभाग द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वनों का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण को बेहतर रखने के लिए वनों का बचाव जरूरी है।

वनमंत्री श्री कश्यप राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम साइंस कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय वन शहीद दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर देश में वन और वन्य जीव की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि वन माफिया एवं वन्य तस्करी में संलिप्त लोगों को माफनहीं किया जाएगा। वन की अवैध कटाई को रोकने के लिए बाह्य शक्ति से ज्यादा आंतरिक शक्तियों से लड़ने की आवश्यकता है। ऐसी शक्तियों को हमें रोकना होगा। उन्होंने कहा कि आज इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि हम आने वाली पीढ़ी को क्या देकर जा रहे हैं। देश में वन एवं पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "एक पेड़ मां के नाम अभियान" की सराहना की और इसके लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में वन एवं पर्यावरण के संरक्षण तथा हरियाली को और अधिक बढ़ाने के लिए पूरे जोर-शोर से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधों का रोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इस अभियान ने राज्य में जनआंदोलन का रूप ले लिया है। शहर से लेकर गांव तक जहां-जहां भी सरकारी जमीन उपलब्ध है, वहां वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण एवं उसके संरक्षण का काम पूरी गंभीरता से किया जा रहा है। लोग बढ़-चढ़कर इस अभियान में न सिर्फ हिस्सा ले रहे हैं अपनी मां, पूर्वजों एवं देवी-देवताओं के नाम पर भी पेड़ लगा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में वन विभाग लगातार इस दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है। इस अभियान के तहत अब तक लगभग 7 करोड़ वृक्षों का रोपण किया गया है। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित 70 लाख माताओं-बहनों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पौराणिक काल से भी हमारे वनों का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उन्होंने कहा कि वनवासी नेताओं ने आजादी के पहले से वनांचल में वनों को बचाने के लिए आंदोलन किया था। उन्होंने कहा कि शहीद वीर गुण्डाधुर ने अंग्रेजों से कहा था कि यदि एक पेड़ काटोगे, तो हम एक सर काटेंगे। जिसका वनांचल के वनवासियों ने समर्थन किया। हमारी सरकार वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उसे सुदृढ़ करने के लिए वनरक्षक सहित अन्य पदों की भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है।

वनवासी जंगल को अपना घर समझते हैं और उसकी रक्षा करते हैं। कोई बाहरी व्यक्ति या तस्कर अवैध कटाई के लिए उन्हें प्रेरित करता है तो ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। कार्यक्रम में वनमंत्री श्री कश्यप ने राष्ट्रीय वन कर्मचारी महासंघ द्वारा प्रस्तावित मांग को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि स्वीकृत पदों का सेटअप का प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग को भेज दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950